

يَعْتَذِرُونَ إِلَيْكُمْ إِذَا رَجَعْتُمْ إِلَيْهِمْ قُلْ لَا تَعْتَذِرُونَ لِي أَن تُوْثِنَ لَكُمْ قَدْ نَبَّأَ اللَّهُ مِنْ خَبَرِكُمْ وَ سَيَرَى اللَّهُ عَمَلَكُمْ وَرَسُولُهُ ثُمَّ تَرَدُّونَ إِلَىٰ عِلْمِ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ ۝ سَيَخْلِفُونَ بِأَلْفِ لَافٍ لَكُمْ إِذَا انْقَلَبْتُمْ إِلَيْهِمْ لِنَعْرِضُوا عَنْهُمْ ۖ فَأَعْرِضُوا عَنْهُمْ إِنَّهُمْ رَجُوسٌ مُّؤَمَّرُونَ ۖ جَزَاءُ مَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ۝ يَخْلِفُونَ لَكُمْ لِتَرْضَوْا عَنْهُمْ ۖ فَإِنْ تَرْضَوْا عَنْهُمْ فَإِنَّ اللَّهَ لَا يَرْضَىٰ عَنِ الْقَوْمِ الْفَاسِقِينَ ۝ الْأَعْرَابُ أَشَدُّ كُفْرًا وَنِفَاقًا وَأَجْدَرُ أَلَّا يَعْلَمُوا حُدُودَ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَىٰ رَسُولِهِ ۚ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ۝ وَمِنَ الْأَعْرَابِ مَنْ يَتَّخِذُ مَا يُنْفِقُ مَغْرَمًا وَيَتَرَبَّصُ بِكُمُ الدَّوَائِرَ عَلَيْهِمْ دَائِرَةُ السَّوْءِ ۚ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ

यथ-तमिर्न। धलय्कुम धम्मा २४२-नुम
तुमसे बहाने बनाओगे जब तुम उनकी तरफ लौटकर जाओगे।

धलय्हिम ७ कुल ला तथ-तमिर्न लन
तुम करमाना बहाने न बनाओ

नुय-मिना लकुम इद नल्ल-अनल्लाहु
उम हरगिळ तुम्हारा पकीन न करेंगे अल्लाहने उमें

मिन अण्णारिकुम ७ व स-यल्लाहु
तुम्हारी पहरें दे दी हैं, और अब अल्लाह

अ-म-लकुम व रसूलुहु सुम्मा तुरददूना
व रसूल तुम्हारे काम देभेंगे फिर उसकी तरफ पलटकर

धला आलिमिल गय्मि वशहा-दति
जाओगे जो छुपे और जाहिर सबको जानता है

इ-युनल्लिउकुम निमा कुन्तुम तथ-मलून ० स-यल्लिहूना निल्लाहि लकुम
वो तुम्हें जता देगा जो कुछ तुम करते थे. अब तुम्हारे आगे अल्लाहकी कसमें प्याओगे

धमल्लल्लुतुम धलय्हिम लि-तुय-रिदू अण्णुम ७ इ-अय-रिदू अण्णुम ७
जब तुम उनकी तरफ पलटकर जाओगे इसलिये के तुम उनके पयाल में न पणो, तो हां तुम उनका पयाल छोणो

धन्नल्लुम रिजसुंप् ७ व मय-वाहुम जहन्नम ८ जम्मायम निमा कानू
वो तो नरे पलीद हैं, और उनका ठिकाना जहन्नम है, बदला उसका जो

यकसिन्न ० यल्लिहूना लकुम लि-तय-दप् अण्णुम ८ इ-धन तय-दप्
कमाते थे. तुम्हारे आगे कसमें प्याते हैं के तुम उनसे राजी हो जाओ, तो अगर तुम उनसे राजी हो जाओ

अण्णुम इ-धन्नल्लाहा ला यरदा अनिल इप्मिल इसिङ्गिन ० अल
तो बेशक अल्लाह तो इंसिक लोगोंसे राजी न होगा.

अय-राणु अ-शदु कुइरंप् व निङ्गिङ्गंप् व अज्जदु अल्ला यय-लमू
गंवार कुइ और निङ्गिङ्ग में जियादा सप्त हैं और इसी काबिल हैं के

हुदुदा मा अल्लल्लाहु अला रसूलिह ७ वल्लाहु अलीमुन हकीम ०
अल्लाहने जो हुकम अपने रसूल पर उतारे उससे जाहिल रहें, और अल्लाह ईल्मो छिक्मत वाला है.

व मिनल अय-राणि मय् यत्तफिणु मा युन्किङ्गु मय-मंप् व य-तय-ल्लसु
और कुछ गंवार वो हैं के जो अल्लाहकी राहमें जर्य करें तो उसे तावान समझें और

नि-कुमुद दवायर ७ अलय्हिम दाय-रतुस सोय् ७ वल्लाहु समीङ्गिन
तुमपर गरदशें आने के इत्तेजारमें रहें, उन्हीं पर है बुरी गरदश, और अल्लाह सुनता

عَلَيْهِمْ ۝ وَمِنَ الْأَعْرَابِ مَن يُوْمِنُ بِاللّٰهِ وَالْيَوْمِ
الْآخِرِ وَيَتَّقِنَ مَا يُنْفِقُ قُرْبَتٍ عِنْدَ اللّٰهِ وَصَلَوَاتُ
الرَّسُولِ ۝ لَا إِلَهَ إِلَّا هِيَ قُرْبَةٌ لَهُمْ ۝ سَيُدْخِلُهُمُ اللّٰهُ
فِي رَحْمَتِهِ ۝ إِنَّ اللّٰهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۝ وَالسَّابِقُونَ
الْأَوَّلُونَ مِنَ الْمُهَاجِرِينَ وَالْأَنْصَارِ وَالَّذِينَ
اتَّبَعُوهُمْ بِإِحْسَانٍ ۝ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا
عَنَّهُ ۝ وَأَعَدَّ لَهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ
خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۝ ذَلِكَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝ وَمِنَ
حَوْلِهِمْ مِنَ الْأَعْرَابِ مُنَافِقُونَ ۝ وَمِنَ أَهْلِ الْمَدِينَةِ
مَرَدُّوْا عَلَى الْبَيْتِ لَا تَعْلَمُهُمْ ۝ نَحْنُ نَعْلَمُهُمْ ۝
سَنُعَذِّبُهُمْ مَّرَّتَيْنِ ثُمَّ يُرَدُّوْنَ إِلَىٰ عَذَابٍ عَظِيمٍ ۝
وَالْآخِرُونَ اعْتَرَفُوا بِذُنُوبِهِمْ خَلَطُوا عَمَلًا صَالِحًا
وَالْآخِرَ سَيِّئًا ۝ عَسَىٰ اللّٰهُ أَن يَتُوبَ عَلَيْهِمْ ۝ إِنَّ اللّٰهَ

अलीम ० व मिनल अर-राभि मंयु
जानता है. और कुछ गांव वाले वो हैं जो

युर-मिनु बिल्लाहि वल यवमिल आपिरि
अल्लाह और क्यामत पर ईमान रखते हैं

व यत्तभिनु मा युन्कि कुदुजातिन
और जो भय करें उसे अल्लाहकी नजदीकियों

धन्दल्लाहि व स-लवातिर रसूल ॥
और रसूलसे हुआओं लेने का जरीआ समझें,

अलौ धन्नहा कुर-भतुल लहुम ॥
हां, हां वो उनके लिये भाईसे कुर्ब है

स-युदभिलुहुमुल्लाहु झी रह-मतिह ॥
अल्लाह जल्द उन्हें अपनी रहमत में दाखिल करेगा,

धन्नल्लाहा गफूर रहीम ॥ वस्साभिफूनल अप्पलूना मिनल मुहाजिरीना
भेशक अल्लाह क्षमा करने वाला मेहरबान है. और सबमें अगले पेड़ले मुहाजिर

वल अन्सारि वल्लमीनत त-भउिहुम मि-धहसानिर ॥ रहियल्लाहु अन्हुम
और अन्सार और जो भलाई के साथ उनके पैरु हुअे अल्लाह उनसे राजी

व रद्दू अन्हु व अ-अद्दा लहुम जन्नातिन तजरी तह-तहल अन्हारु
और वो अल्लाहसे राजी और उनके लिये तय्यार कर रखे हैं भाग जिनके नीचे नहरें बहें

भालिदीना झीहो अ-भदा ॥ मालिकल इप्पुल अमीम ० व मिम्मन
उमेशा उमेशा उनमें रहें यही बणी कामियाबी है. और

हप्-लकुम मिनल अर-राभि मुनाफिफून ॥ व मिन अहलिल मदी-नति ॥
तुम्हारे आसपास के कुछ गंवार मुनाफिक हैं, और कुछ मदीना वाले

म-रद्दू अ-लन निफाफ ॥ ला तर-लमुहुम ॥ नहनु नर-लमुहुम ॥
उनकी ખૂ હો ગઈ છે નિફાક, તુમ ઉન્હેં નહીં જાનતે હમ ઉન્હેં જાનતે છે

સ-નુઅમ્મિબુહુમ મર-રતય્નિ સુમ્મા યુરદ્દૂના ઘલા અમાબિન અમીમ ॥
જલ્દ હમ ઉન્હેં દોબારા અઝાબ કરેંગે ફિર બળે અઝાબ કી તરફ ફેરે જાએંગે.

વ આ-ખરૂનર-ત-રફૂ બિ-મુનૂબિહિમ ખ-લતૂ અ-મલન સાલિહંવ વ
और कुछ और हैं जो अपने गुनाहों के मुक़िर हुअे और मिलाया अक काम अय्या और

आ-ખરા સચ્ચિઆ ॥ અસલ્લાહુ અંય યતૂબા અલય્હિમ ॥ ધન્નલ્લાહા
દૂસરા ખુરા કરીબ છે કે અલ્લાહ ઉંકી તૌબા કુબૂલ કરે, બેશક અલ્લાહ

غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۝ خُذْ مِنْ أَمْوَالِهِمْ صَدَقَةً تُطَهِّرُهُمْ
وَتُزَكِّيَهُمْ بِهَا وَصَلِّ عَلَيْهِمْ ۖ إِنَّ صَلَاتَكَ سَكَنٌ
لَّهُمْ ۖ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ أَلَمْ يَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ
هُوَ يَقْبَلُ التَّوْبَةَ عَنْ عِبَادِهِ وَيَأْخُذُ الصَّدَقَاتِ
وَأَنَّ اللَّهَ هُوَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ۝ وَقُلِ اعْمَلُوا فَسَيَرَى
اللَّهُ عَمَلَكُمْ وَرَسُولُهُ وَالْمُؤْمِنُونَ ۖ وَسَتُرَدُّونَ
إِلَى عِلْمِ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ
تَعْمَلُونَ ۖ وَآخِرُونَ مُرْجُونَ ۖ لَإِمرِ اللَّهِ إِمَّا
يُعَذِّبُهُمْ وَإِمَّا يَتُوبُ عَلَيْهِمْ ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ
حَكِيمٌ ۝ وَالَّذِينَ اتَّخَذُوا مَسْجِدًا ضِرَارًا وَكُفْرًا
وَتَفَرِّيقًا بَيْنَ الْمُؤْمِنِينَ وَإِصْرًا لِمَنْ حَارَبَ
اللَّهُ وَرَسُولَهُ مِنْ قَبْلُ ۖ وَلَيَحْلِفُنَّ إِنْ أَرَدْنَا
إِلَّا الْحُسْنَى ۖ وَاللَّهُ يَشْهَدُ إِنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ ۖ لَا تَقُمْ

فِيهِ آيَاتٌ

مِثْلُ

283

गङ्गुर रहीम ० पुन मिन अम्वालिहिम
भाषनेवाला मेहरमान है। अथ मउभूष उनके माल मेंसे
स-द-कतन तुतहदिरुहुम व तुमक्कीहिम
अकत तउसील करो जिससे तुम उन्हें सुथरा और पाकीजा
जिहा व सल्लि अलयहिम ७
कर दो और उनके डक में हुआअे भैर करो,
धन्ना सला-तका स-कनुल लहुम ७
बेशक तुम्हारी हुआ उनके दिलोंका येन है,
वल्लाहु समीउन अलीम ० अ-लम
और अल्लाह सुनता जानता है। क्या
यर-लमू अन्नल्लाहा हुवा यकजलुत
उन्हें भयर नहीं के अल्लाह ही अपने बन्दोंकी

तप-भता अन धमादिही व यर-पुमुस स-दकाति व अन्नल्लाहा हुपत
तौभा कुभूल करता और सदके पुढ अपने दस्ते कुदरतमें लेता है और ये के अल्लाह ही

तप्पाभुर रहीम ० व कुलिर-मलू इ-स-यरल्लाहु अ-म-लकुम
तौभा कुभूल करनेवाला मेहरमान है। और तुम इरमाओ काम करो अब तुम्हारे काम देभेगा अल्लाह

व रसूलुहू वल मुर-मिनून ७ व स-तुरदूना धला आलिमिल गयभि
और उसके रसूल और मुसलमान, और जल्द उसकी तरफ पलटोगे जो धुपा

वश शहा-दति इ-युनजिउकुम जिमा कुन्तुम तर-मलून ० व आ-प्रून
और जुला सब जानता है तो वो तुम्हारे काम तुम्हें जता देगा। और कुछ

मुर्जप्ना लि-अम्बिल्लाहि धम्मा युअम्जिबुहुम व धम्मा यतूनु
मौकूइ रफ्फे गओ अल्लाहके हुकम पर या उनपर अजाब करे या उनकी तौभा कुभूल करे

अलयहिम ७ वल्लाहु अलीमुन हकीम ० वल्लागीनत त-पमू मस्जिदन
और अल्लाह ईल्मो छिकमत वाला है। और वो जिन्हींने मस्जिद बनाई

दिरारंप् व कुइरंप् व तइरीकम जयनल मुर-मिनीना व धरसादल लि-मन
नुकसान पहुँचाने को और कुइ के सभभ और मुसलमानोंमें तइरका डालने को और उसके ईन्तेजार में जो

हा-रभल्लाहा व रसू-लहू मिन इल ७ व ल-यहलिकुन्ना धन अरदूनो
पेडले से अल्लाह और उसके रसूल का मुजाबिह है, और वो जइर कसमें जाअेंगे डमने तो

धलल हुस्ना ७ वल्लाहु यरहदु धन्नहुम ल-कामिबून ० ला तकुम
भलाई याही, और अल्लाह गवाह है के वो बेशक जूटे हैं।

فِيهِ أَبَدًا لَمْ يَسْجُدْ أَسَسَ عَلَى التَّقْوَى مِنْ أَوَّلِ
يَوْمٍ أَحَقَّ أَنْ تَقُومَ فِيهِ ۖ فِيهِ رَجَالٌ يُجِبُونَ أَنْ
يَكْفُرُوا ۖ وَاللَّهُ يُجِبُ الْمُظْهِرِينَ ۝ أَفَمَنْ أَسَسَ
بُنْيَانَهُ عَلَى تَقْوَى مِنَ اللَّهِ وَرِضْوَانٍ خَيْرٌ أَمْ مَنْ
أَسَسَ بُنْيَانَهُ عَلَى شَفَا جُرْفٍ هَارٍ فَأَنْهَارِهِ
فِي تَارِحَتِهِمْ ۖ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝
لَا يَزَالُ بُنْيَانُهُمُ الَّذِي بَنَوْا رِيبَةً فِي قُلُوبِهِمْ إِلَّا
أَنْ تَقَطَّعَ قُلُوبُهُمْ ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ۝ إِنْ اللَّهُ
أَشْتَرَى مِنَ الْمُؤْمِنِينَ أَنْفُسَهُمْ وَأَمْوَالَهُمْ بِأَنْ
لَهُمُ الْجَنَّةَ ۖ يَفْعَلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَيَقْتُلُونَ
وَيُقْتَلُونَ ۖ وَعَدًا عَلَيْهِ حَقًّا فِي التَّوْرَةِ وَالْإِنْجِيلِ
وَالْقُرْآنِ ۖ وَمَنْ أَوْفَى بِعَهْدِهِ مِنَ اللَّهِ فَاسْتَبْشِرُوا
بِبَيْعِكُمْ ۖ الَّذِي بَايَعْتُمْ بِهِ ۖ وَذَلِكَ هُوَ الْفَوْزُ
الْعَظِيمُ

हीहि अ-अदा ७ ल-मस्जिदुन उस्सिसा

उस मस्जिद में तुम कभी न पड़ेना, बेशक वो मस्जिद

अ-लत तफ्वा मिन अय्यलि यव्मिन

के पेड़ले ही दिन से जिसकी बुनियाद पर उजगारी पर रखी

अह्फु अन तहूम। हीह ७ हीहि

गई है वो इस काबिल है के तुम उसमें न पड़े, उसमें

रिजलुंय युहिब्बूना अय् य-ततह-हरू ७

वो लोग हैं के भूख सुधरा होना चाहते हैं,

पल्लाहु युहिब्बुल मुत्तहहिरीन ०

और सुधरे अल्लाहको प्यारे हैं

अ-इ-मन अस्सिसा बुन्या-नहू अला

तो क्या जिसने अपनी बुनियाद रखी

तफ्वा मिनल्लाहि व रिदवानिन अय्युन अम्मन अस्सिसा बुन्या-नहू

अल्लाहसे उर और उसकी रजा पर वो भला या वो जिसने अपनी न्यू युनी

अला शहा बुरुइन हारिन इन्हारा मिही ही नारि जहन्नम ७ पल्लाहु

अक गिराव गण्डे के किनारे तो वो उसे लेकर जहन्नम की आगमें ढह पणा, और अल्लाह

ला यहदिल इप्-मज़्ज़ालिमीन ० ला यमावु बुन्यानुहुमुल लमी अ-नव्

आलिमों को राह नहीं देता। वो ता'मीर जो युनी

री-अतन ही कुलूभिहिम धल्लो अन तहत्तअ। कुलूबुहुम ७ पल्लाहु

हमेशा उनके दिलोंमें भटक्ती रहेगी मगर ये के उनके दिल टुकणे टुकणे हो जाएं, और अल्लाह

अलीमुन हकीम ० धन्नल्लाहश्तरा मिनल मुय-मिनीना अन्हु-सहुम व

ईल्मो हिकमत वाला है। बेशक अल्लाहने मुसलमानों से उनके माल और

अम्पा-लहुम मि-अन्ना लहुमुल जन्नह ७ युफ़ातिबूना ही सजीलिल्लाहि

जान भरीद लिये हैं इस बदले पर के उनके लिये जन्नत है, अल्लाह की राहमें लगे

इ-यफ़तुबूना व युफ़तबूना वर-दन अलयहि हफ़्फ़न हित तप्राति पल

तो मारें और मरें, उसके जिम्मेअ करम पर सच्चा वा'दा तौरेत और

धन्नालि पल कुरआन ७ व मन अप्हा मि-अहदिही मिनल्लाहि इस्तजिरू

धन्नाल और कुरआन में, और अल्लाहसे जियादा कौल का पूरा कौन तो बुशियां मनाओ

मि-अय्धकुमुल लमी लाय-तुम मिह ७ व मालिका हुवल इप्-मुल

अपने सौदे की जो तुमने उससे किया है, और यही बणी कामियाबी है।

الْعَظِيمُ ۝ التَّابُونَ الْعِيدُونَ الْحَمْدُونَ
السَّابِحُونَ الرَّكَعُونَ السَّجِدُونَ الْأَمْرُونَ
بِالْمَعْرُوفِ وَالنَّاهُونَ عَنِ الْمُنْكَرِ وَالْحَفِظُونَ
لِحُدُودِ اللَّهِ ۝ وَبَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ ۝ مَا كَانَ لِلنَّبِيِّ
وَالَّذِينَ آمَنُوا أَنْ يَسْتَغْفِرُوا لِلْمُشْرِكِينَ وَلَوْ كَانُوا
أُولَىٰ قُرْبَىٰ مِنْ بَعْدِ مَا تَبَيَّنَ لَهُمْ أَنَّهُمْ أَصْحَابُ
الْبَحِيمِ ۝ وَمَا كَانَ اسْتِغْفَارُ إِبْرَاهِيمَ لِأَبِيهِ إِلَّا
عَنْ مَوْعِدَةٍ وَعَدَهَا إِيَّاهُ ۖ فَلَمَّا تَبَيَّنَ لَهُ أَنَّهُ
عَدُوٌّ لِلَّهِ تَبَرَّأَ مِنْهُ ۚ إِنَّ إِبْرَاهِيمَ لَأَوَّاهٌ حَلِيمٌ ۝
وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُضِلَّ قَوْمًا بَعْدَ إِذْ هَدَاهُمْ حَتَّىٰ
يُبَيِّنَ لَهُمْ مَا يَتَّقُونَ ۚ إِنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۝
إِنَّ اللَّهَ لَهُ مَلَكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ يُخَيِّ وَيُيَتِّ
وَمَا لَكُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ وَلِيٍّ وَلَا نَصِيرٍ ۝ لَقَدْ

تَابَ اللَّهُ

مَنْ

285

अमीम ० अत्तायभूनल आभिदूनल
तौभा वाले ईबाहत वाले
हामिदूनस सायदूनर राकिठिनस
सराउने वाले रोउे वाले रुकूअ वाले
साजिदूनल आमिरूना जिल मर-रूकि
सजदे वाले भलाई के भताने वाले
पन्नाहूना अनिल मुन्करि पल हाकिमूना
और भुराई से रोकने वाले और
लि-हुदूदिल्लाह ७ व जशिशिल
अल्लाहकी हटे निगाह रहने वाले और भुशी सुनाओ
मुर-मिनीन ० मा काना लिन नमिस्थि
मुसलमानों को. नभी

पल्लगीना आ-मनू अंय् यस्तगिहू लिल मुश्किनीना व लप् कानू उली
और ईमान वालों को लाईक नहीं के मुशरिकों की बप्शिश याहें अगरये वो

कुरबा मिम जर-दि मा तभय्यना लहुम अन्नहुम अरहाभुल जहीम ०
रिश्तेदार हों जबके उन्हें भुल चुका के वो दोजभी हैं.

पमा कानस्तिगहारु घब्राहीमा लि-अभीहि घल्ला अम मपघ-दतिंप्
और ईब्राहीम का अपने बाप की बप्शिश याहना वो तो न था मगर अक वा'दे के सभभ

प-अ-दहो घय्याह ८ इ-लम्मा तभय्यना लहू अन्नहू अहुप्पुल
जो उससे कर चुका था, फिर जब ईब्राहीम को भुल गया के वो

लिल्लाहि तभररया मिन्ह ७ घन्ना घब्राहीमा ल-अप्पाहुन हलीम ०
अल्लाहका दुश्मन हे उससे तिन्का तोण दिया, बेशक ईब्राहीम जरूर बहुत आहें करने वाला मुतलम्मिल हे.

पमा कानल्लाहु लि-युदिल्ला इप्-मम जर-दा घम हदाहुम हत्ता
और अल्लाहकी शान नहीं के किसी कौम को छिदायत करके गुमराह इरमाओ जबतक

युजय्यिना लहुम मा यत्तकून ७ घन्नल्लाहा जि-कुल्लि शय्घन अलीम ०
उन्हें साइ न भता दे के किस थीजसे उन्हें भयना हे, बेशक अल्लाह सभ कुछ जानता हे.

घन्नल्लाहा लहू मुल्कुस समावाति पल अर्द ७ युह्यी व युमीत ७
बेशक अल्लाह ही के लिये हे आसमानों और जमीन की सत्तनत, जिलाता हे और मारता हे

पमा लकुम मिन दूनिल्लाहि मिंप् पलिस्थिंप् पला नसीर ० ल-इत
और अल्लाहके सिवा न तुम्हारा कोई वाली और न मददगार. बेशक

تَابَ اللَّهُ عَلَى النَّبِيِّ وَالْمُهَاجِرِينَ وَالْأَنْصَارِ الَّذِينَ
اتَّبَعُوهُ فِي سَاعَةِ الْعُسْرَةِ مِنْ بَعْدِ مَا كَادَ يَزِيغُ
قُلُوبَ فَرِيقٍ مِنْهُمْ ثُمَّ تَابَ عَلَيْهِمْ إِنَّهُ بِهِمْ رَءُوفٌ
رَحِيمٌ ۖ وَعَلَى الثَّلَاثَةِ الَّذِينَ خَلَقُوا ۖ حَتَّى
إِذَا ضَاقَتْ عَلَيْهِمُ الْأَرْضُ بِمَا رَحُبَتْ وَضَاقَتْ
عَلَيْهِمْ أَنْفُسُهُمْ وَظَلَمُوا أَنْ لَا مَلْجَأَ مِنَ اللَّهِ إِلَّا
إِلَيْهِ ۖ ثُمَّ تَابَ عَلَيْهِمْ لِيَتُوبُوا ۚ إِنَّ اللَّهَ هُوَ التَّوَّابُ
الرَّحِيمُ ۖ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَكُونُوا
مَعَ الصَّادِقِينَ ۝ مَا كَانَ لِأَهْلِ الْمَدِينَةِ وَمَنْ
حَوْلَهُمْ مِنَ الْأَعْرَابِ أَنْ يَتَخَلَّفُوا عَنْ رَسُولِ اللَّهِ
وَلَا يَرْغَبُوا بِأَنْفُسِهِمْ عَنْ نَفْسِهِ ۚ ذَٰلِكُمْ بِأَنَّهُمْ لَا
يُصِيبُهُمْ ظَمَأٌ وَلَا نَصَبٌ وَلَا مَخْمَصَةٌ فِي سَبِيلِ
اللَّهِ وَلَا يَطْئُونَ مَوْطِئًا يَغِيظُ الْكُفَّارَ وَلَا يَنَالُونَ

مِنْ عَدُوٍّ

مَثَلِ

286

ताबलाहु अलन नभिरिय वल
अल्लाहकी रहमते मुतवज्जेह दुई उन गैबकी ખબરે
मुहाजिरीना वल अन्सारिल लमीनत
भताने वाले और उन मुहाजिरीन और अन्सार पर जिन्होंने
त-अउहु ही सा-अतिल उस्-रति मिम
भुरिकल की घणी में उनका साथ दिया
अर-दि मा कादा यमीगु कुलूनु इरीकिम
बाद इसके के करीब था के उनमें कुछ लोगोंके दिल
मिन्हुम सुम्मा ताबा अलयहिम
किर जअं किर उनपर रहमत से मुतवज्जेह दुवा,
धन्नहु मिहिम रउिहुर रहीम
बेशक वो उनपर निहायत मेहरबान रहम वाला है.

व अलस सला-सतिल लमीना पुल्लिहू हत्तो धमा दाकत अलयहिमुल
और उन तीन पर जो मौकूह रખ्मे गअे थे यहां तक के जब

अरहु मिमा रहुमत व दाकत अलयहिम अन्हुसुहुम व मन्नू अल्ला
अमीन एतनी वसीअ डोकर उनपर तंग डो गई और वो अपनी जान से तंग आअे और उन्हें यकीन

मल्लअा मिनल्लाहि धल्लो धलैह सुम्मा ताबा अलयहिम लि-यतूनु
दुवा के अल्लाहसे पनाह नहीं मगर उसीके पास, किर उनकी तौबा कुबूल की के ताईब रहे

धन्नल्लाहा हुपत तप्पाभुर रहीम यो अय्युहल लमीना आ-मनुत
बेशक अल्लाह ही तौबा कुबूल करने वाला मेहरबान है. अय ईमान वालो

तहुल्लाहा व हूनु मअस सादिकीन मा काना लि-अहलिल मदी-नति
अल्लाहसे डरो और सख्योंके साथ डो. मदीना वालो

व मन हप्-लहुम मिनल अर-राभि अंय् य-तपल्लहू अर रसूलिल्लाहि
और उनके गिर्द देहात वालोंको लाईक न था के रसूलुल्लाह से पीछे बैठ रहे

वला यर-गभू मि-अन्हुसिहिम अन नहसिह मालिका मि-अन्नहुम
और न ये के उनकी जान से अपनी जान प्यारी समजें, ये इसलिये के उन्हें

ला युसीभुहुम म-मउंप् वला न-सभुंप् वला मम्म-सतुन ही सजीलिल्लाहि
जो प्यास या तकलीफ या भूक अल्लाहकी राहमें पहुंचती है

वला य-तउिना मप्तिअंय् यगीमुल इह-इारा वला यनालूना
और जहां ऐसी जगह कदम रખते हैं जिससे काकिरोंको गैज आअे और

مِنْ عَذَابٍ نَّيْلًا ۖ إِلَّا كُتِبَ لَهُمْ بِهِ عَمَلٌ صَالِحٌ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يُضَيِّعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ۚ وَلَا يُنْفِقُونَ نَفَقَةً صَغِيرَةً وَلَا كَبِيرَةً وَلَا يَقْطَعُونَ وَادِيًا إِلَّا كُتِبَ لَهُمْ لِيَجْزِيَهُمُ اللَّهُ أَحْسَنَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۚ وَمَا كَانَ الْمُؤْمِنُونَ لِيَنْفِرُوا كَافَّةً ۚ فَلَوْلَا نَفَرَ مِنْ كُلِّ فِرْقَةٍ مِنْهُمْ طَائِفَةٌ لِيَتَفَقَّهُوا فِي الدِّينِ وَلِيُنذِرُوا قَوْمَهُمْ إِذَا رَجَعُوا إِلَيْهِمْ لَعَلَّهُمْ يَحْذَرُونَ ۚ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا قَاتِلُوا الَّذِينَ يَلُونَكُمْ مِنَ الْكُفَّارِ وَلْيَجِدُوا فِيكُمْ غِلْظَةً ۚ وَعَلِمُوا أَنَّ اللَّهَ مَعَ الْبَاقِينَ ۚ وَإِذَا مَا أُنْزِلَتْ سُورَةٌ فَمِنْهُمْ مَن يَقُولُ إِنَّا كُنَّا زَادَتْهُ هَذِهِ آيَاتٌ فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا فَرَأَدَتُهُمْ آيَاتٌ وَهُمْ يَسْتَبْشِرُونَ ۚ وَأَمَّا الَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ فَرَأَدَتُهُمْ رَجْسًا إِلَى رَجْسِهِمْ

मिन अदुव्विन नय-लन धल्ला कुतिभा ॥
जो कुछ किसी दुश्मन का बिगाणते हैं उस सबके बदले
लहुम बिही अ-मलून सालिह ॥
उनके लिये नेक अमल लिखा जाता है,

धन्नल्लाहा ॥ ला युदीहि अजरल
बेशक अल्लाह नेकोंका नेग लायेअ नहीं करता.
मुहसिनीन ॥ पला युन्फिऊना न-इ-इतन
और जो कुछ भय करते हैं

सगी-रतप् पला कभी-रतप् पला
छोटा या बड़ा और

यस्ततिना पादियन धल्ला कुतिभा लहुम
जो नाला तय करते हैं सब उनके लिये लिखा जाता है

लि-यजिअ-यहुमुल्लाहु अह-सना मा कानू यर-मलून ० वमा कानल
ताके अल्लाह उनके सबसे बेहतर कामोंका उन्हें सिखा दे. और

मुर-मिनूना लि-यन्फिऊ कइ-इह ॥ इ-लप्ला न-इरा मिन कुल्लि फिर-इतिम
मुसलमानोंसे ये तो छो नहीं सकता के सबके सब निकले, तो क्यूं न छो के उनके घर गिरोह मेंसे

मिन्हुम ताध-इतुल लि-य-तइ-इहू इह दीनि व लि-युन्फिऊ इप्-महुम
अक जमाअत निकले के दीनकी समझ हासिल करें और वापस आकर अपनी कौम को उर सुनायें

धमा र-जिओ धलयहिम ल-अल्लहुम यह-मरून ॥ यो अय्युहल लमीना
इस उम्मीद पर के वो भयें. अय

आ-मनू कातिलुल लमीना यलू-नकुम मिनल कुइ-इरि पल यजिदू हीकुम
ईमान वालो जिहाद करो उन काफिरोंसे जो तुम्हारे करीब हैं और याहिओ के वो तुममें

गिराह ॥ पर-लमू अन्नल्लाहा म-अल मुत्तकीन ० व धमा मो उन्जिलत
सप्ती पायें, और जान रब्बो के अल्लाह परहेजगारों के साथ है. और जब कोई सूरत उतरती है

सूर-रतुन इ-मिन्हुम मंय् यकूलु अय्युकुम मादतु हाजिही धमाना ॥
तो उनमें कोई केहने लगता है के उसने तुममें किसके ईमान को तरक्की दी

इ-अम्मल लमीना आ-मनू इ-मादतुम धमानप् पलुम यस्ततिशिरून ०
तो वो जो ईमान वाले हैं उनके ईमान को इसने तरक्की दी और वो भुशियां मना रहे हैं.

व अम्मल लमीना ही कुलूबिहिम म-रदुन इ-मादतुम रिजसन धला
और जिनके दिलोंमें आजार है उन्हें और पलीदी पर पलीदी बण्डाई

رَجْسِهِمْ وَمَاتُوا وَهُمْ كَافِرُونَ ۖ وَلَا يَرْوُونَ
 أَنَّهُمْ يُفْتَنُونَ فِي كُلِّ عَامٍ مَّرَّةً أَوْ مَرَّتَيْنِ ثُمَّ لَا
 يَتُوبُونَ وَلَا هُمْ يَذْكُرُونَ ۖ وَإِذَا نَزَلَتْ سُورَةٌ
 نَّظَر بَعْضُهُمْ إِلَى بَعْضٍ هَلْ يَرِيكُمْ مِنْ أَحَدٍ ثُمَّ
 انصَرَفُوا صَرَفَ اللَّهُ قُلُوبَهُمْ بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ لَا
 يَفْقَهُونَ ۖ لَقَدْ جَاءَكُمْ رَسُولٌ مِنْ أَنْفُسِكُمْ عَزِيزٌ
 عَلَيْهِ مَا عَنِتُّمْ حَرِيصٌ عَلَيْكُمْ بِالْمُؤْمِنِينَ رَءُوفٌ
 رَحِيمٌ ۚ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقُلْ حَسْبِيَ اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا
 هُوَ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ وَهُوَ رَبُّ الْعَرْشِ الْعَظِيمِ ۚ

سُورَةُ يُنُوسٍ مَكِّيَّةٌ (۱۰) (۵۱) وَكُتِبَتْهَا ۥ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

الْأَرْسَلْنَاكَ آيَاتِ الْكِتَابِ الْحَكِيمِ ۝ أَكَانَ لِلنَّاسِ
 عِجَابًا أَنْ أَفْخِصْنَا إِلَى رَجُلٍ مِنْهُمْ أَنْ أَنْذِرَ النَّاسَ
 وَنُنْذِرَ الَّذِينَ

રિજસિહિમ વ માતૂ વહુમ કાફિરૂન ૦

और वो कुछ ही पर मर गये.

અ-વલા ય-રવ્ના અન્નહુમ યુફ-તનૂના

કયા ઉ-હેં નહીં સૂઝતા કે

ફી ફુલિ આમિમ મર્-રતન અવ્

હર સાલ એક યા દો બાર આઝમાએ જાતે હેં

મર્-રતય્નિ સુમ્મા લા યતૂબૂના વલા હુમ

ફિર ન તો તૌબા કરતે હેં ન

યમ્મક-કરૂન ૦ વ ઘમ્મા મો ઉન્નિલત

નસીહત માનતે હેં. ઓર જબ કોઈ સૂરત ઉતરતી હે

સૂ-રતુન ન-મરા બર-હુહુમ ઘલા બર-દ ૭

ઉનમેં એક દૂસરે કો દેખને લગતા હે,

હલ યરાફુમ મિન અ-હદિન સુમ્મન-સ-રફ ૭ સ-રફલ્લાહુ ફુલૂ-બહુમ

કે કોઈ તુમ્હેં દેખતા તો નહીં

ફિર પલટ જાતે હેં,

અલ્લાહને ઉનકે દિલ પલટ દિએ

બિ-અન્નહુમ ફવ્મુલ લા યફ-ફહૂન ૦ લ-ફદ જા-અફુમ રસૂલુમ મિન

કે વો

ના-સમઝ લોગ હેં.

બેશક તુમ્હારે પાસ તશરીફ લાએ તુમમેંસે વો રસૂલ

અન્ફુસિકુમ અમ્મીમુન અલય્હિ મા અનિત્તુમ હરીસુન અલય્ફુમ બિલ

જિનપર તુમ્હારા મુશક્કત મેં પળના ગિરાં હે તુમ્હારી ભલાઈ કે નિહાયત ચાહને વાલે

મુર-મિનીના રહિફુર રહીમ ૦ ફ-ઘન તવલ્લવ્ ફ-ફુલ હસ્થિયલ્લાહુ ૭ લો

મુસલમાનોં પર કમાલ મેહરબાન મેહરબાન.

ફિર અગર વો મુંહ ફેરેં તો તુમ ફરમા દો કે મુઝે અલ્લાહ કાફી હે,

ઘલાહા ઘલ્લા હૂ ૭ અલય્હિ તવક્ક્લુ વહુવા રબ્બુલ અર્શિલ અમ્મીમ ૮

ઉસકે સિવા કિસીકી બન્દગી નહીં, મૈને ઉસીપર ભરોસા કિયા ઓર વો બળે અર્શ કા માલિક હે.

સૂરતુલ યૂનુસ

મક્કી હે, ઇસમેં (૧૦૮) આયતેં ઓર (૧૧) રુકૂઅ હેં

બિસ્મિલ્લા હિર્રહમા નિર્રહીમ ૦

અલ્લાહકે નામસે શુરૂઅ જો નિહાયત મેહરબાન રહમવાલા

અલિફ-લામ-રા ૭ તિલ્કા આયાતુલ ફિતાબિલ હકીમ ૦ અ-કાના લિન્નાસિ

યે હિકમત વાલી કિતાબ કી આયતેં હેં કયા

લોગોંકો

અ-જ-બન અન અવ્-હય્નો ઘલા રબુલિમ મિન્હુમ અન અન્નિરિન નાસા

ઇસકા અયમ્મા હુવા કે હમને ઉનમેંસે એક મર્દ કો વહી ભેજી કે લોગોંકો ડર સુનાઓ

وَبَشِّرِ الَّذِينَ آمَنُوا أَنَّ لَهُمْ قَدَمَ صِدْقٍ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۚ قَالَ الْكَافِرُونَ إِنَّ هَذَا السَّحَرُ مَبِينٌ ۖ
 إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ثُمَّ اسْتَوَىٰ عَلَى الْعَرْشِ يُدِيرُ الْأُمُورَ مَا
 مِنْ شَيْءٍ إِلَّا مِنْ عِنْدِهِ ۚ ذَٰلِكُمْ اللَّهُ رَبُّكُمْ فَاعْبُدُوهُ ۚ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ۖ إِلَيْهِ مَرْجِعُكُمْ جَمِيعًا
 وَعَدَ اللَّهُ حَقًّا ۚ إِنَّهُ يَبْدَأُ الْخَلْقَ ثُمَّ يُعِيدُهُ لِيَجْزِيَ
 الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ بِالْقِسْطِ ۚ وَالَّذِينَ
 كَفَرُوا لَهُمْ شَرَابٌ مِّنْ حَمِيمٍ وَعَذَابٌ أَلِيمٌ بِمَا كَانُوا
 يَكْفُرُونَ ۖ هُوَ الَّذِي جَعَلَ الشَّمْسُ ضِيَاءً وَالْقَمَرَ
 نُورًا وَقَدَرَهُ مَنَازِلَ لِتَعْلَمُوا عَدَدَ السِّنِينَ
 وَالْجَسَابَ ۚ مَا خَلَقَ اللَّهُ ذَٰلِكَ إِلَّا بِالْحَقِّ يُفَصِّلُ
 الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ۖ إِنَّ فِي اخْتِلَافِ اللَّيْلِ

وَالنَّهَارِ

مَنْزِلٍ ۚ

289

व भश्चिरल लगीना आ-मनू अन्ना।
 और ईमान वालोंको पुशपबरी हो के
 लहुम क-दमा सिदकिन धन्दा रज्जिहिम
 उनके लिये उनके रब के पास सय का मकाम है,
 फालल काफिरूना धन्ना हागा ल-साहिमुम
 काफिर बोले बेशक ये तो जुला जादूगर है।
 मुभीन ० धन्ना रज्जिमुल्लाहुल लगी
 बेशक तुम्हारा रब अल्लाह है जिसने
 ज-लकस समावाति पल अरदा ही सिक्तति
 आसमान और जमीन छे दिनमें बनाये
 अय्यामिन सुम्मस्तवा अ-लल अरशि
 फिर अर्श पर ईस्तिवा इरमाया जैसा उसकी शान के लायक

युदज्जिरुल अमर ७ मा मिन शहीधन धल्ला मिम जय-दि धम्निह ७
 है, काम की तदबीर इरमाता है कोई सिफारिशी नहीं मगर उसकी ईजाजत के बाद

गालिकुमुल्लाहु रज्जिमुम इर-मुदह ७ अ-इला तमक-करून ० धलयहि
 ये है अल्लाह तुम्हारा रब तो उसकी बन्दगी करो तो क्या तुम ध्यान नहीं करते। उसीकी तरफ

मरजिउकुम जमीया ७ पर-दल्लाहि हक्का ७ धन्नहू यददिल जल्का सुम्मा
 तुम सबको फिरना है, अल्लाहका सय्या वा'दा, बेशक वो पेहली बार बनाता है फिर

युधदुहू लि-यज्जियल लगीना आ-मनू व अभिलुस सालिहाति मिल
 इना के बाद दोबारा बनायेगा के उनको जो ईमान लाये और अच्छे काम किये

किस्त ७ पल्लगीना क-इरू लहुम शराबुम मिन हमीमिन् व अगाजुन
 ईसाइका सिला दे, और काफिरों के लिये पीने को भौलता पानी और दईनाक अजाब

अलीमुम जिमा कानू यकफूरून ० हुवल्लगी ज-अलश शम्सा दिय्याअन्
 बदला उनके कुछ का। वही है जिसने सूरज को जग्मगाता बनाया

पल क-मरा नूरन् व कद-द-रहू मनाजिला लि-तर-लमू अ-ददस सिनीना
 और यांद यमकता और उसके लिये मन्जिलें ठेहराई के तुम बरसों की गिन्ती

पल हिसाब ७ मा ज-लकल्लाहु गालिका धल्ला मिल हक्क ८
 और हिसाब जानो, अल्लाह ने उसे न बनाया मगर हक्क,

युइस्सिलुल आयाति लि-कप्मिन् य-लमून ० धन्ना इप्तिहाइल लयलि
 निशानियां मुइस्सल बयान इरमाता है ईल्म वालों के लिये बेशक रात और दिन का बदलता आना

وَالنَّهَارَ وَمَا خَلَقَ اللَّهُ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ لَأَتَّيَّنَ
لِقَوْمٍ يَتَّقُونَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ لَا يَرْجُونَ لِقَاءَنَا وَرَضُوا
بِالْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَأَطْبَأْتُوا بِهَا وَالَّذِينَ هُمْ عَنْ آيَاتِنَا
غَافِلُونَ ۝ أُولَئِكَ مَا لَهُمْ النَّارُ بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ۝
إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ يَهْدِيهِمْ رَبُّهُمْ
بِإِيمَانِهِمْ ۝ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهِمُ الْأَنْهَارُ فِي جَنَّاتٍ
الَّتِي تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۝ اللَّهُمَّ وَتَجِيَّتُهُمْ
فِيهَا سَلَامٌ ۝ وَأَخِرُ دَعْوَاهُمْ أَنِ الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ
الْعَالَمِينَ ۝ وَلَوْ يَشَاءُ اللَّهُ لَلْتَأَسَسَ الشَّرُّ اسْتِعْجَالَهُمْ
بِالْخَيْرِ لَقُضِيَ إِلَيْهِمْ أَجْلُهُمْ ۝ فَتَذَرُ الَّذِينَ لَا
يَرْجُونَ لِقَاءَنَا فِي طُغْيَانِهِمْ يَعْمَهُونَ ۝ وَإِذَا مَسَّ
الْإِنْسَانَ الضُّرُّ دَعَانَا لِجَنَّةٍ أَوْ قَاعٍ أَوْ قَابِئًا ۝
فَلَمَّا كَشَفْنَا عَنْهُ صُورَهُ مَرَّكَانَ لَمْ يَدْعُنَا إِلَى

طَبَقَاتٍ

مَنْزِل ۳

290

पन्नहारि वमा ष-लकल्लाहु हिस
और जो कुछ अल्लाह ने

समावाति वल अरदि ल-आयातिल
आसमानों और जमीन में पैदा किया उनमें निशानियां हैं

लि-इम्बिय यत्तकून ० धन्नल लमीना ला
उर वालों के दिअे. बेशक वो जो

यरजूना लिफा-अना व रद्दु मिल हयातिद
हमारे मिलने की उम्मीद नहीं रखते और दुनिया की झिन्द्गी

दुन्या वत्मअन्नू मिहा वल्लमीना हुम
पसन्द कर बैठे और उसपर मुत्मईन हो गये और वो जो

अन आयातिना गाहिलून ० उलोयका
हमारी आयतोंसे गइलत करते हैं. उन

मर-वाहुमुन नारु जिमा कानू यकसिबून ० धन्नल लमीना आ-मनू व
लोगोंका ठिकाना होअप है बदला उनकी कमाई का. बेशक जो ईमान लाये और

अमिलुस सालिहाति यहदीहिम रब्बुहुम जि-ईमानिहिम ८ तजरी मिन
अच्छे काम दिअे उनका रब उनके ईमान के सबब उन्हें राह देगा,

तहतिहिमुल अन्हारु ही जन्नातिन नईम ० दर-वाहुम हीहा सुब्हा-न-
उनके नीचे नेहरे बहती होगी ने'मत के भागोंमें. उनकी दुआ उसमें ये होगी के अल्लाह

कल्लाहुम्मा व तहियतुहुम हीहा सलाम ८ व आज़िरु दर-वाहुम अनिल
तुझे पाकी है और उनके मिलते वक्त भुशीका पेहला बोल सलाम है, और उनकी दुआ का भातमा ये है

हम्दु लिल्लाहि रब्बिल आ-लमीन ० व लप् युअज्जिलुल्लाहु लिन्नासिश
के सब भूबियों सराहा अल्लाह जो रब है सारे जहान का. और अगर अल्लाह लोगों पर

शर-रस्तिर-ज-लहुम मिल जय्रि ल-कुदिया धलयहिम अ-जलुहुम ९
बुराई ऐसी जल्द भेजता जैसे वो बलाई की जल्दी करते हैं तो उनका वा'दा पूरा हो चुका होता,

इ-न-अरुल लमीना ला यरजूना लिफा-अना ही तुगयानिहिम यर-महून ०
तो हम छोड़ते उन्हें जो हमसे मिलने की उम्मीद नहीं रखते के अपनी सरकशी में फटका करें.

व धग्ग मस्सल धन्सानद दुर्रु दयाना लि-जम्भिही अप् काधदन अप्
और जब आदमी को तकलीफ पहुंचती है हमें पुकारता है लेटे और बैठे और

काधमा ८ इ-लम्मा इ-शइना अन्हु दुर-रद्दु मर्रा इ-अल्लम यदुनो धला
भणे, फिर जब हम उसकी तकलीफ दूर कर देते हैं यल देता है गोया कभी किसी तकलीफ के पहुंचने पर

صَرَّمَسَهُ ۖ كَذَلِكَ رُيِّنَ لِلْمُسْرِفِينَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ
وَلَقَدْ أَهْلَكْنَا الْقُرُونََ مِنْ قَبْلِكُمْ لَمَّا ظَلَمُوا ۖ
وَجَاءَتْهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ وَمَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا ۚ
كَذَلِكَ نُجْزِي الْقَوْمَ الْجَائِمِينَ ۖ ثُمَّ جَعَلْنَاهُمْ
خَلَائِفَ فِي الْأَرْضِ مِنْ بَعْدِهِمْ لِنَنْظُرَ كَيْفَ
تَعْمَلُونَ ۖ وَإِذَا تَشَاءُ عَلَيْهِمْ أَيْتَانَا بُيِّنَتِ ۖ قَالَ
الَّذِينَ لَا يَرْجُونَ لِقَاءَنَا إِنَّتِ بِقُرْآنٍ غَيْرِ هَذَا
أَوْ بَدِّلْهُ ۚ قُلْ مَا يَكُونُ لِي أَنْ أُبَدِّلَهُ مِنْ تِلْقَائِي
نَفْسِي ۚ إِنْ أَتَيْتُ إِلَّا مَا يُؤْتَىٰ ۚ إِنْ أَتَىٰ أَخَافُ أَنْ
عَصَيْتُ رَبِّي عَذَابٌ عَظِيمٌ ۖ قُلْ لَوْ شَاءَ
اللَّهُ مَا تَلَوْتُهُ عَلَيْكُمْ وَلَا أَدْرِكُمْ بِهِ ۚ فَقَدْ
لَبِثْتُ فِيكُمْ عُمُرًا مِّن قَبْلِهِ ۚ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۖ فَمَنْ
أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا أَوْ كَذَّبَ بِآيَاتِهِ ۚ

اِنَّهُ لَا يُفْلِحُ

مَنْزِل ۳

291

दुर्रिम मस्सह ७ कज़ालिका मुय्यिना लिल
उमें पुकारा ही न था. यूंही भले कर दिभाये हैं

मुस्सिहीना मा कानू यर-मलून ० व
उह से बण्डने वाले को उनके काम. और

ल-इह अहलकनल कुरून। मिन इल्लिकुम
बेशक हमने तुमसे पेहली संगतें उलाक इरमा दी

लम्मा ज़-लमू १ व ज़अल्हुम रुसुलुहुम
जब वो उह से बण्डे, और उनके रसूल उनके पास रौशन

लिल अय्यिनाति वमा कानू लि-युर-मिनू ७
दलीलें लेकर आये और वो जैसे थे ही नहीं के ईमान लाते

कज़ालिका नजज़िल इप्-मल मुजरिमीन ०
हम यूंही बदला देते हैं मुजरिमोंको.

सुम्मा ज़अल्नाकुम ज़ल्लिह ७ इल अरदि मिम अर-दिहिम लि-नन्नुरा
किर हमने उनके बाद तुम्हें जमीनमें ज़ानशीन किया के देखें

इय्हा तर-मलून ० व यज़ा तुल्हा अलय्हिम आयातुना अय्यिनातिन १
तुम कैसे काम करते हो. और ज़ब उनपर हमारी रौशन आयतें पण्डी जाती हैं

ज़ालल लज़ीना ला यरज़ूना लिज़ा-अ-नर-ति मि-कुरआनिन ग़य्रि हाज़ा
तो वो केउने लगते हैं जिन्हें हमसे मिलने की उम्मीद नहीं के इसके सिवा और कुरआन ले आईये

अप् अद्विल्ह ७ कुल मा यकूनु लौ अन उअद्वि-लहू मिन तिल्ज़ाध
या इसीको बदल दीजिये, तुम इरमाओ मुझे नहीं पहुँचता के मैं इससे अपनी तरफ से बदल दूँ

नइसी ८ धन अत्तभिउ धल्ला मा यूहो धलय्य ८ धन्नी अज़ाकु धन
मैं तो उसीका ताबेअ हूँ जो मेरी तरफ वही होती है, मैं अगर

अ-सय्तु २००ी अज़ाभा यप्मिन अज़ीम ० कुल लप् शाअल्लाहु मा
अपने रब की नाइरमानी कइं तो मुझे बणे दिनके अज़ाब का डर है. तुम इरमाओ अगर अल्लाह याहता

तलप्तुहू अलय्कुम वलो अदराकुम मिही ९ इ-इह लभिस्तु हीकुम
तो मैं इससे तुमपर न पण्डता न वो तुमको इससे ज़बरदार करता, तो मैं इससे पेहले तुममें

उमुरम मिन इल्लिह ७ अ-इला तर-ज़िलून ० इ-मन अज़-लमु मिम
अपनी ओक उम्र गुज़ार चुका हूँ तो क्या तुम्हें अकल नहीं. तो उससे बण्डकर ज़ालिम कौन

मनिइ-तरा अलल्लाहि कज़िजन अप् कज़-ज़भा मि-आयातिह ७
जो अल्लाह पर जूट बांधे या उसकी आयतें जुटवाये

إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الْمُجْرِمُونَ ۝ وَيَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ مَا لَا يَضُرُّهُمْ وَلَا يَنْفَعُهُمْ وَيَقُولُونَ هَؤُلَاءِ شُفَعَاؤُنَا عِنْدَ اللَّهِ ۚ قُلْ أَتَدْعُونَ اللَّهَ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي السَّمَوَاتِ وَلَا فِي الْأَرْضِ ۚ سُبْحَنَهُ وَعَلَىٰ عَمَائِكُمْ ۝ وَمَا كَانَ النَّاسُ إِلَّا أُمَّةً وَاحِدَةً ۖ فَاخْتَلَفُوا ۚ وَلَوْلَا كَلِمَةٌ سَبَقَتْ مِنْ رَبِّكَ لَفُتِحَ بَيْنَهُمْ فِيمَا فِيهِ يَخْتَلِفُونَ ۝ وَيَقُولُونَ لَوْلَا أُنْزِلَ عَلَيْهِ آيَةٌ مِنْ رَبِّهِ ۖ فَقُلْ إِنَّمَا الْغَيْبُ لِلَّهِ ۖ فَانْتَظِرُوا ۖ إِنِّي مَعَكُمْ مِنَ الْمُنْتَظِرِينَ ۝ وَإِذَا أَذَقْنَا النَّاسَ رَحْمَةً مِنْ بَعْدِ ضَرَاءٍ مَسَّهُمْ إِذَا لَهُمْ مَكْرٌ فِي آيَاتِنَا ۚ قُلِ اللَّهُ أَسْرَعُ مَكْرًا ۚ إِنَّ رُسُلَنَا يَكْتُوبُونَ مَا تَكْفُرُونَ ۝ هُوَ الَّذِي يُسَيِّرُكُمْ فِي الْبَرِّ وَالْبَحْرِ ۚ حَتَّىٰ إِذَا كُنْتُمْ فِي

الْمُلُكِ

مَنْزِلٍ

292

धन्नहू ला युइलिहूल मुजिरमून ०
बेशक मुजरिमों का भला न होगा.

व यर-भुदूना भिन दूनिल्लाहि मा ला
और अल्लाहके सिवा ऐसी चीजको पूजते हैं जो

यदुररुहूम पला यन्इहिलूम व यकूलूना
उनका कुछ भला न करे और केहते हैं

हो-उलाय शु-इआठिना धन्दल्लाह ७
के ये अल्लाहके यहां हमारे सिकारिशी हैं

हुल अ-तुनज्जिठिनल्लाहा जिमा ला
तुम इरमाओ क्या अल्लाहको वो बात बताते हो जो उसके

यर-लमु हिस समावाति पला हिल अर्द ७
धम्ममें न आसमानोंमें है, न जमीन में.

सुद्धा-नहू व तआला अम्मा युरिरकून ० वमा कानन नासु
उसे पाकी और भरतरी है उनके शिर्क से. और लोग

धल्लो उम्मतंप् वाहि-दतन इफ्त-लहू ७ व लप्ला कलि-मतुन
अक ही उम्मत थे फिर मुप्तलिक हुअे, और अगर

स-अइत मिर रज्जिहा ल-हुदिया जय-नहूम हीमा हीहि यफ्तलिहून ०
तेरे रबकी तरफ से अक बात पेडले न हो चुकी होती तो यही उनके धप्तेवाहों का उनपर कैसेला हो गया होता.

व यकूलूना लप्लो उन्जिला अलयहि आ-यतुम मिर रज्जिह ८
और केहते हैं उनपर उनके रब की तरफ से कोई निशानी क्यूं नहीं उतरी

इ-हुल धन्नमल गय्बु लिल्लाहि इन्तज्जिरू ८ धन्नी म-अकुम भिनल
तुम इरमाओ गैब तो अल्लाह के लिअे है अब रासता देओ, मैं भी तुम्हारे साथ

मुन्तज्जिरीन ० व धग्गो अग्ग-नन नासा रह-मतम भिम अर-दि
राह देभ रहा हूं. और जबके हम आदमियों को रहमत का मजा देते हैं किसी तकलीफ के बाद

दर्राया मस्सलहूम धग्गा लहूम मकरुन ही आयातिना ७ हुलिल्लाहु
जो उन्हें पहुँची थी जल्दी वो हमारी आयतोंके साथ हाँव चलते हैं, तुम इरमाओ अल्लाहकी

अस्सहि मकरा ७ धन्ना रुसु-लना यक्तुभूना मा तम्कूरून ० हुपल्लग्गी
भुइया तदबीर सभसे जल्द हो जाती है, बेशक हमारे इरिशते तुम्हारे मकर लिभ रहे हैं. वही है के

युसय्यिरुहुम हिल अररि पल अहर ७ हत्तो धग्गा हुन्तुम हिल
तुम्हें भुशकी और तरी में चलाता है, यहां तक के जब तुम कश्ती में हो,

الْفُلْكِ ۖ وَجَرَيْنَ بِهِم بِرِيحٍ طَبَیَّةٍ ۖ وَفَرَحُوا بِهَا
جَاءَتْهَا رِيحٌ عَاصِفٌ وَجَاءَهُمُ الْمَوْجُ مِنْ كُلِّ
مَكَانٍ ۖ وَظَنُّوا أَنَّهُمْ أُحِيطَ بِهِمْ ۖ دَعَوُا اللَّهَ مُخْلِصِينَ
لَهُ الدِّينَ ۚ لَئِنْ أَنْجَيْتَنَا مِنْ هَذِهِ لَنَكُونَنَّ مِنَ
الشَّاكِرِينَ ۝ فَلَمَّا أَجْلَهُمْ إِذَا هُمْ يَبْغُونَ فِي الْأَرْضِ
بِغَيْرِ الْحَقِّ ۖ يَأْتِيهَا النَّاسُ إِنَّمَا بِغِيكُمُ عَلَى أَنْفُسِكُمْ ۖ
مَتَاعَ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۚ ثُمَّ إِلَيْنَا مَرْجِعُكُمْ فَنُنَبِّئُكُمْ
بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ۝ إِنَّمَا مَثَلُ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا
كَمَاءٍ أَنْزَلْنَاهُ مِنَ السَّمَاءِ فَاخْتَلَطَ بِهِ نَبَاتُ
الْأَرْضِ مِمَّا يَأْكُلُ النَّاسُ وَالْأَنْعَامُ ۚ حَتَّىٰ إِذَا
أَخَذَتِ الْأَرْضُ زُخْرُفَهَا وَازَّيَّنَتْ وَظَنَّ أَهْلُهَا
أَنَّهُمْ قَدِرُونَ ۖ عَلَيْهِمْ أَتَتْهَا أَمْرُنَا لَيْلًا أَوْ نَهَارًا
فَجَعَلْنَاهَا حَصِيدًا كَأَن لَّمْ تَغْنِ بِالْأَمْسِ ۚ كَذَلِكَ

ॐ व ज-रय्ना। जिहिम जि-रीहिं०
 और वो अरुणी उवा से उ-हें लेकर यलें०

તથ્યિ-ભતિપ્ વ ફરિહૂ બિહા જાઅત્હા
 ઔર ઉસપંર ખુશ હુએ ઉનપર

રીહુન આસિફુ વ જા-અહુમુલ મવજુ મિન
આંધીકા ઝંકા આયા ઓર હર તરફ લહરોને ઉન્હે આ લિયા

કુલ્લિ મકાનિં પ ઝૂજ્જૂ અજ્જહુમ ઉદ્દિત્ત।
 ઔર સમજ લિએ કે હમ ઘિર ગએ,

બિહિમ ૪ દ-અપુલ્લાહ મુઝિસીન લહુદ
 ઉસ વક્ત અલ્લાહકો પુકારતે હૈં નિરે ઉસકે બન્દે હોકર

દીન ે લ-ધન અજ્ય-તના મિન હાઝિહી
 કે અગર તૂ ઇસસે ઉમે બચા લેગા

○ ફ-લમ્મો અન્જાહુમ ઘઝા હુમ યબ્જૂના ○
ફિર અલ્લાહ જબ ઉન્હે બયા લેતા હે જમ્મી વો

૬ યૉ અય્યુહન નાસુ ઇન્નમા બરુચ્ચુમ
અય લોગો તુમ્હારી જિયાદતી

માલ હયાતિદ દુન્યા) સુમ્મા ઇ-લય્ના
કે જીતે જી બરત લો ફિર તુમ્હે હમારી તરફ

જાતા દેંગે જો તુમ્હારે કોતક થે.

ધન અન્નલાહુ મિનસ સમાધ ફપ્ત-લત્તા
હે જેસે વો પાની કે હમને આસમાન સે ઉતારા તો

યર-ફુલુન નાસુ વલ અન્ધામ ૬ હૃત્તો

રુ-ફહા વર્-મયનત વ મુન્ના અહલુહા
લિયા ઓર ખૂબ આરાસતા હો ગઈ ઓર ઉસકે માલિક સમજે

અતાહો અમુના લય્-લન અપ્ નહારન
હમારા હકમ ઉસપર આયા રાત મેં યા દિન મેં

ਮਲਕਮ ਗੁਰਮਤਿ ਮਿਲ ਅਸਤ ੫ ਕਹਾਇਕਾ
ਕਲ ਥੀ ਓ ਨਈਂ, ਓਮ ਧੁੰਓ

نَفْصِلُ الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ ۝ وَاللَّهُ يَدْعُو إِلَى
 دَارِ السَّلَامِ وَيَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝
 لِلَّذِينَ أَحْسَنُوا الْحُسْنَىٰ وَزِيَادَةٌ ۚ وَلَا يَرْهَقُ وُجُوهَهُمْ
 قَتَرٌ وَلَا ذِلَّةٌ ۚ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ ۖ هُمْ فِيهَا
 خَالِدُونَ ۝ وَالَّذِينَ كَسَبُوا السَّيِّئَاتِ جَزَاءُ سَيِّئَةٍ
 بِسَيِّئَةٍ ۖ وَتَرْهَقُهُمْ ذِلَّةٌ ۚ مَا لَهُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ عَاصِمٍ
 كَانُوا أَغْشَيْتَ وَجُوهَهُمْ قِطْعًا مِنَ اللَّيْلِ مُظْلِمًا ۚ
 أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۖ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۝ وَيَوْمَ
 نَحْشُرُهُمْ جَمِيعًا ثُمَّ نَقُولُ لِلَّذِينَ أَشْرَكُوا
 مَكَانَكُمْ أَنْتُمْ وَشُرَكَاءُكُمْ ۖ فَزَيَّلْنَا بَيْنَهُمْ وَقَالَ
 شُرَكَاءُهُمْ مَا كُنْتُمْ إِلَّا نَارًا تَعْبُدُونَ ۖ فَكَفَّلَ بِاللَّهِ
 شَرِيعًا بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ إِنْ كُنَّا عَنْ عِبَادَتِكُمْ
 لَغْفِيلِينَ ۖ هُنَالِكَ تَبْلَوْا كُلُّ نَفْسٍ مِمَّا أَسْلَفَتْ
 وَرُدُّوا

नुहसिखलुल आयाति लि-इप्मिन्
 आयतें मुहसल बयान करते हैं

य-तइक-करून ० पल्लाहु यद्छि धला
 गौर करने वालों के लिये. और अल्लाह

हारिस सलाम ७ व यहदी मंय् यशाहि
 सलामती के धर क्रीतरक पुकारता है और जिसे यादे

धला सिरातिम मुस्तफीम ० लिखलीना
 सीधी राह यलाता है.

अह-सनुल हुस्ना व मियादह ७ पला
 भलाई वालों के लिये भलाई है और उससे भी आर्यह, और

यर-हकु पुजू-हहुम इ-तरुप् पला मिल्लह ७
 उनके मुंह पर न यण्डेगी स्याही और न ज्वारी

हलाधका अरहाबुल जन्नह ८ हुम हीहा जालिदून ० पल्लमीना
 वही जन्नत वाले हैं, वो उसमें हमेशा रहेंगे. और जिन्होंने

इ-सनुस सय्यियाति जमाहि सय्यि-अतिम जि-मिस्लिहा १ व तर-हकुहुम
 बुराईयां कमाई तो बुराई का बदला उसी जैसा, और उनपर

मिल्लह ७ मा लहुम मिनल्लाहि मिन आसिम ८ इ-अन्नमो डिशियत
 मिल्लत यण्डेगी, उन्हें अल्लाहसे बयानेवाला कोई न डोगा गोया

पुजूहुहुम इ-तरुप् मिनल लयलि मुजलिमा ७ हलाधका अरहाबुल नार ८
 उनके चेहरों पर अन्धेरी रातके टुकड़े यण्डा दिये हैं, वही दोज़ख वाले हैं

हुम हीहा जालिदून ० व यप्मा नहशुरुहुम जमीअन सुम्मा नहलु
 वो उसमें हमेशा रहेंगे. और जिसदिन हम उन सबको उठावेंगे फिर

लिखलीना अशरकू मका-नकुम अन्तुम व शु-रकाहिकुम ८ इ-मय्यल्ला
 मुशरिकोंसे इरमावेंगे अपनी जगह रहो तुम और तुम्हारे शरीक, तो हम उन्हें

अय-नहुम व इला शु-रकाहिकुम मा कुन्तुम धय्याना तर-बुदून ० इ-इहा
 मुसलमानों से जुदा कर देंगे और उनके शरीक उनसे कहेंगे तुम हमें कब पूजते थे. तो

मिल्लाहि शहीदम अय-नना व अय-नकुम धन कुन्ना अय-धना-दतिकुम
 अल्लाह गवाह काफ़ी है हममें और तुममें के हमें तुम्हारे पूजने की

ल-गाहिलीन ० हुनालिका तल्लु कुल्लु नहसिम मो अरलइत
 अबर भी न थी. यहाँ उर जान जांय लेगी जो आगे भेजा

وَمَرَدُوا إِلَى اللَّهِ مَوْلَاهُمْ الْحَقَّ وَصَلَّ عَنْهُمْ مَا
كَانُوا يَفْتَرُونَ ۚ قُلْ مَنْ يَرْزُقُكُمْ مِنَ السَّمَاءِ
وَالْأَرْضِ أَمَنْ يَمْلِكُ السَّبْعَ وَالْأَبْصَارَ وَمَنْ
يُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَيُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ
الْحَيِّ وَمَنْ يُدْبِرُ الْأَمْرَ فَسَيَقُولُونَ اللَّهُ ۖ فَقُلْ
أَفَلَا تَتَّقُونَ ۚ قَدْ لَكُمْ اللَّهُ رَبُّكُمْ الْحَقُّ ۖ فَمَاذَا بَعْدَ
الْحَقِّ إِلَّا الضَّلَالُ ۚ فَإِنِّي تُصَرِّفُونَ ۚ كَذَلِكَ حَقَّتْ
كَلِمَتُ رَبِّكَ عَلَى الَّذِينَ فَسَقُوا أَنَّهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ۚ
قُلْ هَلْ مِنْ شُرَكَائِكُمْ مَنْ يَبْدُوا الْخَلْقَ ثُمَّ
يُعِيدُهُ ۚ قُلِ اللَّهُ يَبْدُوا الْخَلْقَ ثُمَّ يُعِيدُهُ ۚ فَإِنِّي
تُؤَفِّكُونَ ۚ قُلْ هَلْ مِنْ شُرَكَائِكُمْ مَنْ يَهْدِي إِلَى
الْحَقِّ ۚ قُلِ اللَّهُ يَهْدِي لِلْحَقِّ ۚ أَفَمَنْ يَهْدِي إِلَى
الْحَقِّ أَحَقُّ أَنْ يُتَّبَعَ أَمَّنْ لَا يَهْدِي إِلَّا أَنْ يُهْدَىٰ ۚ

فَمَا لَكُمْ

مَنْزِلَ ۚ

295

व रुद्धे धल्लाहि मव्वाहुमुल हक्कि
और अल्लाहकी तरफ़ केरे जायेंगे जो उनका सच्चा मौला है
व दल्ला अण्हुम मा कानू यर-तरून
और उनकी सारी बनावटें उनसे गुम हो जायेंगी.
कुल मंय् यरमुकुमुम मिनस समोय
तुम इरमाओ तुम्हें कौन रोज़ी देता है आसमान
वल अरदि अमंय् यम्लिकुस सम्म। वल
और ज़मीन से या कौन मालिक है क़ान और
अब्सार। व मंय् युफ़िजुल हय्या मिनल
आंभों का और कौन निकालता है ज़िन्दा को
मय्यिति व युफ़िजुल मय्यिता मिनल
मुरदे से और निकालता है मुरदा को

हय्यि व मंय् युदज्जिरुल अम ७ इ-स-यकूलूनल्लाह ८ इ-कुल
ज़िन्दा से और कौन तमाम कामोंकी तदबीर करता है तो अब कहेंगे के अल्लाह तो तुम इरमाओ

अ-इला तत्तकून ० इ-ज़ालिकुमुल्लाहु रब्बुकुमुल हक्कि ८
तो क्यूँ नहीं उरते. तो ये अल्लाह है तुम्हारा सच्चा रब

इ-माज़ा अर-दल हक्कि धल्लद दलाल ८ इ-अन्ना तुररकून ०
किर उक के बाद क्या है मगर गुमराही, किर कहां किरें जाते हो

क़ालिका हक्कत कलि-मतु रज्जिका अ-लल लज़ीना इ-सकू अण्हुम
यूँही साबित हो चुकी है तेरे रब की बात फ़ासिकों पर तो वो

ला युर-मिनून ० कुल हल मिन शु-रकायकुम मंय् यददिल ज़ल्ज़ा
ईमान नहीं लायेंगे. तुम इरमाओ तुम्हारे शरीकोंमें कोई ऐसा है के अक्वल बनाये

सुम्मा युधदुह ७ कुलिल्लाहु यददिल ज़ल्ज़ा सुम्मा युधदुह इ-अन्ना
किर इना के बाद दोबारा बनाये, तुम इरमाओ अल्लाह अक्वल बनाता है किर इना के बाद दोबारा बनायेगा तो कहां

तुर-इकून ० कुल हल मिन शु-रकायकुम मंय् यहदी धलल हक्कि ७
उधे जाते हो. तुम इरमाओ तुम्हारे शरीकोंमें कोई ऐसा है के उक की राह दिभाये,

कुलिल्लाहु यहदी लिल हक्कि ७ अ-इमंय् यहदी धलल हक्कि अ-हक्कि
तुम इरमाओ के अल्लाह उक की राह दिभाता है, तो क्या जो उक की राह दिभाये उसके हुकम पर चलना

अंय् युत्त-अज़ा अम्मल ला यहिदी धल्लो अंय् युद्दा ८
यादिए या उसके जो जुद ही राह न पाये जबतक राह न दिभाया जाये

فَمَا لَكُمْ كَيْفَ تَحْكُمُونَ ۝ وَمَا يَنْبَغُ أَكْثَرَهُمْ إِلَّا
طُلًّا ۚ إِنَّ الظَّنَّ لَا يُغْنِي مِنَ الْحَقِّ شَيْئًا ۚ إِنَّ اللَّهَ
عَلِيمٌ بِمَا يَفْعَلُونَ ۝ وَمَا كَانَ هَذَا الْقُرْآنُ أَنْ
يُفْتَرَى مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلَكِنْ تَصْدِيقَ الَّذِي بَيْنَ
يَدَيْهِ وَتَفْصِيلَ الْكِتَابِ لَا رَيْبَ فِيهِ مِنْ رَبِّ
الْعَالَمِينَ ۝ أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ ۚ قُلْ فَأْتُوا بِسُورَةٍ
مِثْلِهِ ۚ وَادْعُوا مَنْ اسْتَطَعْتُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ إِنْ
كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝ بَلْ كَذَّبُوا بِمَا لَمْ يُحِيطُوا بِعِلْمِهِ
وَلَكِنَّا يَآتِيهِمْ تَأْوِيلُهُ ۚ كَذَلِكَ كَذَّبَ الَّذِينَ مِنْ
قَبْلِهِمْ ۚ فَانْظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الظَّالِمِينَ ۝
وَمِنْهُمْ مَنْ يُؤْمِنُ بِهِ ۚ وَمِنْهُمْ مَنْ لَا يُؤْمِنُ بِهِ ۚ
وَرَبُّكَ أَعْلَمُ بِالْمُفْسِدِينَ ۝ وَإِنْ كَذَّبُوكَ فَقُلْ
لِيَ عَمَلِي وَلَكُمْ عَمَلُكُمْ ۚ أَنْتُمْ بَرَاتُونَ مِمَّا أَعْمَلُ
وَأَنَا بَرَاتٌ مِمَّا تَعْمَلُونَ ۚ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۚ وَاعْلَمُوا

इमा लकुम कय्हा तहकुमून ० वमा
तो तुम्हें क्या हुआ कैसा हुकम लगाते हो. और

यत्तभिहि अकसरुहुम धल्ला मन्ना ७
उनमें अक्सर तो नहीं चलते मगर गुमान पर,

धन्नम् मन्ना वा युग्नी भिनल हकि
बेशक गुमान हक का कुछ काम नहीं देता

शय्या ७ धन्नल्लाहा अलीमुम जिमा
बेशक अल्लाह उनके कामों को जानता है

यह-अलून ० वमा काना हागल कुरआनु
और इस कुरआन की ये शान नहीं

अय् युह-तरा भिन दूनिल्लाहि व लाकिन
के कोई अपनी तरफ से बना ले वे अल्लाह के उतारे हां

तसदीक लगी जयना यद्यहि व तहसीलल किताबि वा रय्जा
वो अगली किताबोंकी तसदीक है और लौह में जो कुछ लिखा है सबकी तहसील है इसमें कुछ शक नहीं है

हीहि भिर रज्जिल आ-लमीन ० अम यकूलूनह-तराह ७ कुल ह-तू
परवरदिगारे आलम की तरफ से है. क्या ये कहते हैं के उन्होंने इसे बना लिया है, तुम हरमाओ तो

भि-सू-रतिम भिस्लिही वद्दि भनिस्-ततर-तुम भिन दूनिल्लाहि धन
उस जैसी कोई एक सूरह ले आओ और अल्लाहको छोड़कर जो मिल सकें सबको बुला लाओ अगर

कुन्तुम सादिहीन ० जल कम्-मजू जिमा लम युहीतू भि-धल्मिही
तुम सख्ये हो. बल्के उसे रूटलाया जिसके धर्म पर काबू न पाया

व लम्मा यर-तिहिम तर-वीलुह ७ क-गालिका कम्-मजल लगीना
और अभी उन्होंने उसका अन्जाम नहीं देया जैसे ही उनसे अगलोंने रूटलाया था

भिन इज्जिलहिम इन्मुर कय्हा काना आहि-भतुम् गालिमीन ०
तो देखो आदिमों का कैसा अन्जाम हुआ.

व भिन्हुम मय् यु-मिनु भिही व भिन्हुम मल्ला यु-मिनु भिह ७
और उनमें कोई उसपर धिमान लाता है और उनमें कोई उसपर धिमान नहीं लाता है

व रज्जुका अर-लमु भिल मुहसिदीन ० व धन कम्-मजूका इ-कुल
और तुम्हारा रब मुहसिदों को पूरा जानता है. और अगर वो तुम्हें रूटलायें तो हरमा हो

ली अ-मली व लकुम अ-मलुकुम ८ अन्तुम जरीठिना मिम्मा अर-मलु
के मेरे लिये मेरी करनी और तुम्हारे लिये तुम्हारी करनी, तुम्हें मेरे कामसे धुंका नहीं

وَأَنَا بَرِيءٌ مِّمَّا تَعْمَلُونَ ۝ وَمِنْهُمْ مَّن يَسْتَمِعُونَ
إِلَيْكَ ۖ أَفَأَنْتَ تَسْمِعُ الصَّمَّ وَلَوْ كَانُوا لَا يَعْقِلُونَ ۝
وَمِنْهُمْ مَّن يَنْتَظِرُ أَيْنَكَ ۖ أَفَأَنْتَ تَهْدِي الْعُمْى
وَلَوْ كَانُوا لَا يَبْصُرُونَ ۝ إِنَّ اللَّهَ لَا يَظْلِمُ النَّاسَ
شَيْئًا وَلَكِنَّ النَّاسَ أَنْفُسُهُمْ يَظْلِمُونَ ۝ وَيَوْمَ
يَحْشُرُهُمْ كَأَن لَّمْ يَلْبَثُوا إِلَّا سَاعَةً مِّنَ النَّهَارِ
يَتَعَارَفُونَ بَيْنَهُمْ ۖ قَدْ خَسِرَ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِ
اللَّهِ وَمَا كَانُوا مُهْتَدِينَ ۝ وَإِنَّا لَنُرِيكَ بَعْضَ
الَّذِي نَعِدُهُمْ أَوْ نَتَوَقَّعُكَ ۖ فَالْيَنَّا مَرْجِعُهُمْ ثُمَّ
اللَّهُ شَهِيدٌ عَلَىٰ مَا يَفْعَلُونَ ۝ وَلِكُلِّ أُمَّةٍ
رَّسُولٌ ۖ فَإِذَا جَاءَ رَسُولُهُمْ قُضِيَ بَيْنَهُمْ بِالْقِسْطِ
وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ۝ وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَذَا الْوَعْدُ
إِن كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝ قُلْ لَا أَمْلِكُ لِنَفْسِي ضَرًّا

وَلَا نَفْعًا

مَنْعَل

297

व अना जरीउम मिम्मा तर-मलून ०
और मुझे तुम्हारे काम से तअल्लुक नहीं.

व मिन्हुम मंय् यस्तमिड़िना धलैक ७
और उनमें कोई वो हैं जो तुम्हारी तरफ़ कान लगाते हैं,

अ-इ-अन्ता तुस्मिड़िस् सुम्मा व लप्
तो क्या तुम जेहरों को सुना दोगे अगर ये

कानू ला यर-किलून ० व मिन्हुम
उन्हें अकल न हो. और उनमें

मंय् यन्जुरु धलैक ७ अ-इ-अन्ता
कोई तुम्हारी तरफ़ तकता है, क्या तुम

तहदिल इम्मा व लप् कानू ला
अन्धों को राह दिखा दोगे अगर ये वो न

युज्जिरून ० धन्नल्लाहा ला यज़्जलिमुन नासा शय्अंप् व लाकिन्नन
सूज़ें. बेशक अल्लाह लोगों पर कुछ जुल्म नहीं करता हां

नासा अन्हु-सहुम यज़्जलिमून ० व यप्मा यहशुरुहुम इ-अल्लम
लोग ही अपनी जानों पर जुल्म करते हैं. और जिसदिन उन्हें उठायेगा गोया

यल्लसू धल्ला सा-अतम मिनन नहारि य-तया-रहूना जय्-नहुम ७
दुनिया में न रहे थे मगर इसदिन की ओक घणी आपसमें पेहचान करेंगे,

इह प्रसिरल लज़ीना इम्-ज़बू जि-लिज़ाधल्लाहि वमा कानू मुह-तदीन ०
के पूरे घाटे में रहे वो जिन्होंने अल्लाहसे मिलने को जुटवाया और छिदायत पर न थे.

व धम्मा नुरियन्नका जय-दल लज़ी नधदुहुम अप् न-तपइ-इयन्नका
और अगर हम तुम्हें दिखा दें कुछ उसमेंसे जो उन्हें वा'दा दे रहे हैं या तुम्हें पेहचाने ही अपने पास बुलावें

इ-धलयना मरजिड़िहुम सुम्मल्लाहु शहीदुन अला मा यइ-अलून ०
ज-हर डाल उन्हें हमारी तरफ़ पलटकर आना है फिर अल्लाह गवाह है उनके कामों पर.

व लि-कुल्लि उम्मतिर रसूल ह इ-धज़ा जय्मा रसूलुहुम कुदिया जय्-नहुम
और हर उम्मतमें ओक रसूल हुवा जब उनका रसूल उनके पास आता उनपर ईसाई का कैसेला कर

जिल इस्ति वहुम ला युज़्ज-लमून ० व यज़्जलूना मता हाज़ल वर-दु
दिया जाता और उनपर जुल्म नहीं होता. और केहते हैं ये वा'दा कब आयेगा

धन कुन्तुम सादिज़ीन ० कुल लो अम्बिहु लि-नइसी दर-रंप्
अगर तुम सच्ये हो. तुम इरमाओ में अपनी जान के धुरे

وَلَا تَفْعَلُوا إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ. لِكُلِّ أُمَّةٍ أَجَلٌ. إِذَا جَاءَ أَجْلُهُمْ فَلَا يَسْتَأْذِرُونَ سَاعَةً وَلَا يَسْتَقْدِمُونَ. قُلْ أَرَأَيْتُمْ إِنْ أَتَاكُمْ عَذَابُهُ بَيَآتًا أَوْ نَهَايًّا مَّا دَأَيْتُمُوهُ مِنَ الْمُجْرِمِينَ. أَتَشَاءُ إِذَا مَا وَقَعَ أَمْنُكُمْ بِهِ. أَلَنْ وَقَدْ كُنْتُمْ بِهِ تَسْتَعْجِلُونَ. ثُمَّ قِيلَ لِلَّذِينَ ظَلَمُوا ذُوقُوا عَذَابَ الْخُلْدِ. هَلْ تُجْزَوْنَ إِلَّا بِمَا كُنْتُمْ تَكْسِبُونَ. وَيَسْتَنْبِذُونَ أَحَقَّ هُوَ. قُلْ إِنِّي وَرَبِّي إِنَّهُ لَحَقٌّ. وَمَا أَنْتُمْ بِمُعْجِزِينَ. وَلَوْ أَنَّ لِكُلِّ نَفْسٍ ظَلَمَتْ مَا فِي الْأَرْضِ لَا فِتْنَتَ بِهِ. وَأَسْرَوْا الْقَدَامَةَ لَبَئَا رَأَوُا الْعَذَابَ. وَقُضِيَ بَيْنَهُم بِالْقِسْطِ. وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ. أَلَا إِنَّ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ. أَلَا إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ. وَلَكِنْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَفْقَهُونَ.

पला नह-अन धल्ला मा शाअल्लाह ७
भले का (जाती) धृष्टियार नहीं रभता मगर जो अल्लाह याहे,
लि-कुल्लि उम्मतिन अ-जल ७ धम्मा
उर गिरोह का अेक वा'दा है, जब

जया अ-जलुहुम इला यस्तर-भिरूना
उनका वा'दा आयेगा तो अेक धणी न पीछे हटें
सा-अतंप् पला यस्तरुदिमून ०
न आगे बढें.

कुल अ-र-अयुतुम धन अताकुम
तुम इरमाओ भला बताओ तो अगर
अम्माबुहू भयातन अप् नहारम मा मा
उसका अजाब तुमपर रातकी आये या दिन की तो उसमें

यस्तर-जिलु मिन्हुल मुजिरमून ० अ-सुम्मा धम्मा मा प-इया आमन्तुम
वो कौनसी चीज है के मुजरिमों को जिसकी जल्दी है. तो क्या जब हो पड़ेगा उस वक्त उसका यकीन
जिह ७ आल्-आना प इह कुन्तुम जिही तस्तर-जिलून ० सुम्मा इला
करोगे, क्या अब मानते हो, पेहले तो इसकी जल्दी मया रहे थे. फिर

लिल्लाहीना म-लमू मूहू अम्माबल भुल्ल ८ हल तुजम्पना धल्ला जिमा
आदिमोंसे कडा जयेगा हमेशा का अजाब यंओ, तुम्हें कुछ और बढला न मिलेगा मगर वही जो
कुन्तुम तसिबून ० प यस्तरमिहि-नका अ-हइकुन हू ७ कुल ध
कमाते थे. और तुमसे पूछते हैं क्या वो इक है, तुम इरमाओ हां

प २०जी धन्नहू ल-हइहू ७ पमो अन्तुम जि-मुय-जिमीन ० प लप् अन्ना
मेरे रब की कसम बेशक वो जरूर इक है, और तुम कुछ थका न सकोगे. और अगर
लि-कुल्लि नइसिन म-लमत मा इल अरदि लइ-तदत जिह ७ प असरुन
उर आदिम जान अभीनमें जो कुछ है सबकी मालिक होती जरूर अपनी जान छुटानेमें देती, और

नदा-मता लम्मा र-अपुल अम्माब ८ प इदिया भय-नहुम जिल इस्ति
दिलमें चुपके चुपके पशेमान हुये जब अजाब देया, और उनमें इन्साफ से कैसला कर दिया गया
पहुम ला युम्-लमून ० अलो धन्ना लिल्लाहि माइसि समावाति
और उनपर जुल्म न होगा. सुन लो, बेशक अल्लाह ही का है जो कुछ आसमानों में है

पल अर्द ७ अलो धन्ना पय-दल्लाहि हइहुप् प लाकिन्ना अकस-रहुम ला
और अभीन में, सुन लो, बेशक अल्लाह का वा'दा सच्चा है मगर उनमें अकसर की

يَعْلَمُونَ ۝ هُوَ يُحْيِي وَيُمِيتُ ۝ وَلِلَّهِ تُرْجَعُونَ ۝
 يَأْتِيهَا النَّاسُ قَدْ جَاءَتْكُمْ مَوْعِدَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ
 وَشِفَاءٌ لِّمَا فِي الصُّدُورِ ۚ وَهُدًى وَرَحْمَةٌ
 لِّلْمُؤْمِنِينَ ۝ قُلْ بِفَضْلِ اللَّهِ وَبِرَحْمَتِهِ فَبِذَلِكَ
 فَلْيَفْرَحُوا ۖ هُوَ خَيْرٌ مِّمَّا يَجْمَعُونَ ۝ قُلْ أَرَأَيْتُمْ
 مَا أَنزَلَ اللَّهُ لَكُمْ مِّن رِّزْقٍ فَجَعَلْتُمْ مِّنْهُ
 حَرَامًا وَحَلَالًا ۚ قُلْ آللَّهُ أَذِنَ لَكُمْ أَمْ عَلَى
 اللَّهِ تَفْتَرُونَ ۝ وَمَا ظَنُّ الَّذِينَ يَفْتَرُونَ
 عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَذُو
 فَضْلٍ عَلَى النَّاسِ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَشْكُرُونَ ۝
 وَمَا تَكُونُونَ فِي شَأْنٍ وَمَا تَتْلُوا مِنْهُ مِنْ
 قُرْآنٍ وَلَا تَعْمَلُونَ مِنْ عَمَلٍ إِلَّا كُنَّا عَلَيْكُمْ
 شُهُودًا إِذْ تُفِيضُونَ فِيهِ ۚ وَمَا يَعْزُبُ عَنْ

رَبِّكَ مِنْ

مَنْزِلٍ

۲۹۹

યર-લમૂન ૦ હુવા યુહયી વ યુમીતુ વ
 ખબર નહીં. વો જિલાતા ઓર મારતા હે ઓર

ઇલય્હિ તુર-જઊન ૦ યો અયુહન
 ઉસીકી તરફ ફિરોગે. અય

નાસુ ફદ જાઅત્કુમ મવ્ઘ-મ્તુમ
 લોગો તુમ્હારે પાસ તુમ્હારે રબ કી તરફ સે નસીહત આઈ

મિર રઝિબકુમ વ શિફાઉલ લિમા
 ઓર દિલોંકી સેહત,

ફિસ સુદૂરિ ૬ વ હુદવ્ વ રહ-મતુલ લિલ
 ઓર હિદાયત ઓર રહમત

મુર-મિનીન ૦ ફુલ બિ-ફદલિલ્લાહિ
 ઈમાન વાલોં કે લિએ. તુમ ફરમાઓ અલ્લાહ હી કે ફઝલ

વ બિ-રહ-મતિહી ફ-બિ-મ્હાલિકા ફલ-યફ-રહૂ ૭ હુવા ખયરુમ
 ઓર ઉસીકી રહમત ઓર ઈસીપર ચાહિએ કે ખુશી કરે, વો

મિમ્મા યજમઊન ૦ ફુલ અ-ર-અય્તુમ મો અન્જલલ્લાહુ લકુમ
 ઉનકે સબ ધનદૌલત સે બેહતર હે. તુમ ફરમાઓ ભલા બતાઓ તો વો જો અલ્લાહને તુમ્હારે લિએ

મિર રિમ્ફિન ફ-જ-અલ્તુમ મિન્હુ હરામવ્ વ હલાલા ૭
 રિઝક ઉતારા ઉસમેં તુમને અપની તરફસે હરામ વ હલાલ ઠેહરા લિયા,

ફુલ આલ્લાહુ અઝિના લકુમ અમ અલલ્લાહિ તફ-તરૂન ૦
 તુમ ફરમાઓ ક્યા અલ્લાહને ઈસકી તુમ્હે ઈજાઝત દી યા અલ્લાહ પર જૂટ બાંધતે હો.

વમા મ્નુલ લમ્નીના યફ-તરૂના અલલ્લાહિલ ફઝિબા યવ્-મલ
 ઓર ક્યા ગુમાન હે ઉનકા જો અલ્લાહ પર જૂટ બાંધતે હેં કે ક્યામત મેં ઉનકા ક્યા હાલ હોગા

ફિયામહ ૭ ઇન્નલ્લાહા લ-મૂ ફદલિન અલન નાસિ વ લાફિન્ના
 બેશક અલ્લાહ લોગોં પર ફઝલ કરતા હે મગર

અફ-સુ-રહુમ લા યશ્કૂરૂન ૮ વમા તફૂનુ ફી શર-નિવ્ વમા તલ્લૂ મિન્હુ
 અકસર લોગ શુક નહીં કરતે. ઓર તુમ કિસી કામ મેં હો ઓર ઉસકી તરફ સે

મિન ફુરઆનિવ્ વલા તર-મલૂના મિન અ-મલિન ઇલ્લા ફુન્ના
 કુઇ ફુરઆન પળહો ઓર તુમ લોગ કોઈ કામ કરો હમ

અ-લય્કુમ શુહૂદન ઇમ્ તુફીદૂના ફીહ ૭ વમા યર-મુબુ અર
 તુમપર ગવાહ હોતે હેં જબ તુમ ઉસકો શુરૂઅ કરતે હો, ઓર

تَرَبَّكَ مِنْ مِثْقَالِ ذَرَّةٍ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي
السَّمَاءِ وَلَا أَصْغَرَ مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْبَرَ إِلَّا
فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ۝ آتِ الْوَلِيَّاءَ اللَّهُ لَا
خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝ الَّذِينَ آمَنُوا
وَكَانُوا يَتَّقُونَ ۝ لَهُمُ الْبُشْرَىٰ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا
وَفِي الْآخِرَةِ لَا تَبْدِيلَ لِكَلِمَاتِ اللَّهِ ۚ ذَلِكَ
هُوَ الْقُوَىٰ الْعَظِيمُ ۝ وَلَا يَحْزَنُكَ قَوْلُهُمْ
إِنَّ الْعِزَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا ۚ هُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝
أَلَا إِنَّ لِلَّهِ مِنْ فِي السَّمَوَاتِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ
وَمَا يَتَّبِعُ الَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ
شُرَكَاءَ ۚ إِنْ يَتَّبِعُونَ إِلَّا الظَّنَّ وَإِنْ هُمْ إِلَّا
يَخْرُصُونَ ۝ هُوَ الَّذِي جَعَلَ لَكُمُ الْآيَاتِ
لِتَسْكُنُوا فِيهِ ۚ وَالنَّهَارُ مُبْصِرٌ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ
لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ

لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ

مَثَلُ

300

रब्बिक। मिम मिरुङालि मर-रतिन
तुम्हारे रब से जरा भर कोई चीज गाईब नहीं
हिल अरदि वला हिस समोघ वलो
जमीन में न आसमान में और न

अरुगर। मिन मालिका वलो अक-भरा
उससे छोटी और न उससे बणी कोई चीज नहीं
घल्ला ही किताबिम मुजीन ०
जो. अक रौशन किताब में न हो.

अलो धन्ना। अल्पियाअल्लाहि ला
सुन लो बेशक अल्लाहके वलियों पर न
मपुन अ-लय्हिम वला हुम
कुछ भौड़ है न

यह-मनून अल्लमीन। आ-मनू व कानू यत्तकून ०
कुछ गम. वो जो ईमान लाओ और परहेजगारी करते हैं.

ल-हुमुल भुशरा हिल हयातिह दुन्या व हिल आभिरह ८
उन्हें भुशभबरी है दुनिया की जिन्दगी में और आभिरत में.

ला तब्दीला लि-कलिमातिल्लाह ८ मालिका हुपल इप्मुल अमीम ०
अल्लाहकी बातें बदल नहीं सकतीं यही बणी कामियाबी है.

वला यहुमुन्का इप्लुहुम ८ धन्नल धम्-मता लिल्लाहि जमीया ८
और तुम उनकी बातों का गम न करो, बेशक ईजजत सारी अल्लाहके लिये है

हुपस समीहिल अलीम ० अलो धन्ना लिल्लाहि मन हिस
वही सुनता जानता है. सुन लो बेशक अल्लाह ही के मिल्क हैं जितने

समावाति व मन हिल अर्द ८ वमा यत्तभिहिल लमीना यदड़िना
आसमानों में हैं और जितने जमीनों में, और काहे के पीछे जा रहे हैं वो जो

मिन दूनिल्लाहि शु-रकाय् ८ धय् यत्तभिड़िना धल्लम् मुन्ना व
अल्लाहके सिवा शरीक पुकार रहे हैं, वो तो पीछे नहीं जाते मगर गुमान के और

धन हुम धल्ला यफुसून ० हुपल्लमी ज-अला लकुमुल लय्ला
वो तो नहीं मगर अटकलें दौणाते. वही है जिसने तुम्हारे लिये रात बनाई

लि-तस्कुनू हीहि वन्नहारा मुत्सिरा ८ धन्ना ही मालिका ल-आयातिल
के उसमें येन पाओ और दिन बनाया तुम्हारी आंभें जोलता, बेशक इसमें निशानियां हैं

لَقَوْمٍ يَسْعَوْنَ ۖ قَالُوا اتَّخَذَ اللَّهُ وَلَدًا سُبْحَنَهُ ۖ
 هُوَ الْعَزِيزُ ۖ لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۖ
 إِنَّ عِنْدَكُمْ مِنْ سُلْطِينٍ بِهَذَا ۖ اتَّقُوا اللَّهَ عَلَىٰ
 اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ۖ قُلْ إِنْ الَّذِينَ يَفْتَرُونَ
 عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ لَا يُفْلِحُونَ ۖ مَتَاعٌ فِي الدُّنْيَا
 ثُمَّ إِلَيْنَا مَرْجِعُهُمْ ثُمَّ نُنْفِئُهُمُ الْعَذَابَ الشَّدِيدَ
 بِمَا كَانُوا يَكْفُرُونَ ۖ وَإِثْلُ عَلَيْهِمْ نَبَأُ نُوحٍ إِذْ قَالَ
 لِقَوْمِهِ يَتَقَوْمِ إِنْ كَانَ كَبُرَ عَلَيْكُمْ مَقَامِي
 وَتَذَكِيرِي بِآيَاتِ اللَّهِ فَعَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْتُ فَأَجْمِعُوا
 أَمْرَكُمْ وَشُرَكَاءَكُمْ ثُمَّ لَا يَكُنْ أَمْرُكُمْ عَلَيْكُمْ
 غُمَّةً ثُمَّ اقْضُوا إِلَيَّ وَلَا تُنْظِرُونِ ۖ فَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ
 فَبِمَا سَأَلْتَكُمْ مِنْ أَجْرٍ إِنْ أَجْرِيَ إِلَّا عَلَى اللَّهِ ۖ
 وَأُمِرْتُ أَنْ أَكُونَ مِنَ الْمُسْلِمِينَ ۖ فَكَذَّبُوهُ

लि-इप् मिंय् यस्मिन् ० इल्लुत
 सुनने वालों के लिये. ओले

त-भ्रुल्लाहु व-लदन सुहानह ७
 अल्लाहने अपने लिये औलाद बनाई, पाकी इसको,

हुवल गनिय्य ७ लहू मा हिस समावाति
 वही बे-नियाज है, उसीका है जो कुछ आसमानों में है

वमा हिल अर्द ७ धन धन्दकुम भिन
 और जो कुछ जमीन में, तुम्हारे पास

सुत्तानिम जि-हाज़ा ७ अ-तङ्गलून
 इसकी कोई भी सनद नहीं, क्या

अलल्लाहि माला त-लमून ०
 अल्लाह पर वो बात बताते हो जिसका तुम्हें धर्म नहीं.

कुल धन्नल लमीना यस्-तरून। अलल्लाहिल इज्जला ला युहिलून ०
 तुम इरमाओ वो जो अल्लाह पर झूट बांधते हैं उनका भला न होगा.

मताइन हिए दुन्या सुम्मा ध-लय्ना मरजिउहुम सुम्मा नुज़ीकुहुमुल
 दुनियामें कुछ भरत लेना है फिर उन्हें हमारी तरफ वापस आना फिर हम उन्हें

अज़ाअश शदीदा जिमा कानू यस्-तरून ० वल्लु अलय्हिम न-अया
 सप्त अजाअ यभाअंगे बहला उनके कुछ का. और उन्हें नूह की जबर पण्डकर सुनाओ

नूह ७ धज़ इला लि-इप्मिही या इप्मि धन काना इभुरा अ-लय्कुम
 जब उसने अपनी कौमसे कहा अय मेरी कौम अगर तुमपर शाक गुज़रा है

महामी व तम्कीरी जि-आयातिल्लाहि इ-अलल्लाहि तवस्-इत्तु
 मेरा जणा होना और अल्लाह की निशानियां याद दिलाता तो मैंने अल्लाह ही पर भरोसा किया

इ-अजिमिउ अम्कुम व शु-रका-अकुम सुम्मा ला यकुन अम्कुम
 तो मिलकर काम करो और अपने झूटे मा'बूहों समेत अपना काम पक्का कर लो, तुम्हारे काम में

अ-लय्कुम गुम्मतन सुम्मइ-हू धलय्या वला तुन्जिरून ० इ-धन तवल्लय्तुम
 तुमपर कुछ गुजलक (उलजान) न रहे फिर जो हो सके मेरा कर लो और मुझे मोड़लत न दो फिर अगर

इमा स-अत्तुकुम भिन अजर ७ धन अजिरया धल्ला अलल्लाहि ७
 तुम मुंड केरो तो मैं तुमसे कुछ उजरत नहीं मांगता, मेरा अजर तो नहीं मगर अल्लाह पर,

व उमिर्तु अन अकून। भिनल मुस्लिमीन ० इ-इम्-मूहू
 और मुझे हुकम है के मैं मुसलमानों से हूँ. तो उन्होंने उसे झूटलाया

فَجَبَّيْنَهُ وَمَنْ مَعَهُ فِي الْفُلِكِ وَجَعَلْنَاهُمْ خَلِيفَ
وَأَعْرِفْنَا الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۖ فَانْظُرْ كَيْفَ كَانَ
عَاقِبَةُ الْمُنْذَرِينَ ۝ ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِ رَسُولًا إِلَى
قَوْمِهِمْ فَجَاءَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَمَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا بِهَا
كَذَّبُوا بِهِ مِنْ قَبْلُ ۖ كَذَلِكَ نَطْغَى عَلَى قُلُوبِ
الْمُتَعَدِّينَ ۝ ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِم مُوسَى وَهَارُونَ
إِلَى فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِ بِآيَاتِنَا فَاسْتَكْبَرُوا وَكَانُوا
قَوْمًا مُّجْرِمِينَ ۝ فَلَمَّا جَاءَهُمُ الْحَقُّ مِنْ عِنْدِنَا
قَالُوا إِنَّ هَذَا لَسِحْرٌ مُّبِينٌ ۝ قَالَ مُوسَى
اتَّقُوا اللَّهَ لِلْحَقِّ لَمَّا جَاءَكُمْ ۖ اسْحَرُوا هَذَا وَلَا يُفْلِحُ
السَّحَرُونَ ۝ قَالُوا أَجِئْتَنَا لِنَلْفِتْنَا عَمَّا وَجَدْنَا عَلَيْهِ
آبَاءَنَا وَتَكُونُ لَكُمُ الْكَرْبَيَاءُ فِي الْأَرْضِ ۖ وَمَا
نَحْنُ لَكُمُ بِمُؤْمِنِينَ ۝ وَقَالَ فِرْعَوْنُ أَتَأْتُونِي

ફ-નજજયનાહુ વ મમ મ-અહ ફિલ ફુલ્કિ
તો હમને ઉસે ઓર જો ઉસકે સાથ કશ્તી મેં થે ઉનકો નજાત દી

વ જ-અલ્નાહુમ ખલાઈફા વ અરફનલ
ઓર ઉન્હેં હમને નાઈબ કિયા ઓર

લમીના કમ્મખૂ બિ-આયાતિના ૮ ફન્નુર
જિન્હોને હમારી આયતેં જુટલાઈ ઉનકો હમને ડુબો દિયા,

કય્ફા કાના આફિ-બતુલ મુન્જરીન ૦
તો દેખો ડરાએ હુઓં કા અન્જામ કેસા હુવા.

સુમ્મા બઅરુના મિમ બર-દિહી રુસુલન
ફિર ઉસકે બાદ ઓર રસૂલ

ઇલા ફવ્મિહિમ ફ-જાહિહુમ બિલ
હમને ઉનકી કૌમોં કી તરફ ભેજે તો વો ઉનકે પાસ

બઅયિનાતિ ફમા કાનૂ લિ-યુર-મિનૂ બિમા કમ્-ખૂ બિહી મિન ફબલ ૭
રૌશન દલીલેં લાએ તો વો એસે ન થે કે ઈમાન લાતે ઉસપર જિસે પેહલે જુટલા ચુકે થે,

ફ-ઝાલિકા નતબઉ અલા ફુલૂબિલ મુર-તદીન ૦ સુમ્મા બઅરુના મિમ
હમ યૂંહી મોહર લગા દેતે હેં સરકશોં કે દિલોં પર. ફિર

બર-દિહિમ મૂસા વ હારૂના ઇલા ફિરઅવ્ના વ મ-લઇહી બિ-આયાતિના
ઉનકે બાદ હમને મૂસા ઓર હારૂન કો ફિરઓન ઓર ઉસકે દરબારિયોં કી તરફ અપની નિશાનિયાં દે દેકર ભેજા

ફસ્તકબરૂ વ કાનૂ ફવ્-મમ્ મુજિરમીન ૦ ફ-લમ્મા જા-અહુમુલ હફફુ
તો ઉન્હોંને તકબ્બુર કિયા ઓર વો મુજરિમ લોગ થે. તો જબ ઉનકે પાસ હમારી તરફ સેહક આયા

મિન ઇન્દિના ફાલૂ ઇન્ના હાઝા લ-સિહરુમ મુબીન ૦ ફાલા મૂસો
બોલે યે તો ઝરૂર ખુલા જાદૂ હે. મૂસા ને કહા

અ-તફૂલૂના લિલ હફફિ લમ્મા જા-અકુમ ૭ અ-સિહરુન હાઝા ૭ વલા
ક્યા હક કી નિસ્બત એસા કેહતે હો જબ વો તુમહારે પાસ આયા, ક્યા યે જાદૂ હે, ઓર

યુફલિહુસ સાહિરૂન ૦ ફાલૂ અજિર-તના લિ-તલ્ફિ-તના અમ્મા વજદના
જાદૂગર મુરાદ કો નહીં પહુંચતે. બોલે ક્યા તુમ હમારે પાસ ઈસલિએ આએ હો કે હમેં ઉસસે ફેર દો

અ-લય્હિ આબા-અના વ તફૂના લ-કુમલ કિઝિયોઉ ફિલ અર્દ ૭
જિસપરે હમને અપને બાપ દાદા કો પાયા ઓર ઝમીનમેં તુમ્હીં દોનોં કી બજાઈ રહે,

વમા નહનુ લ-કુમા બિ-મુર-મિનીન ૦ વ ફાલા ફિરઅવ્નુર-તૂની
ઓર હમ તુમપર ઈમાન લાને કે નહીં. ઓર ફિરઓન બોલા

يَكُلُّ سَجِرَ عَلِيمٍ ۖ فَلَمَّا جَاءَ السَّحَرَةُ قَالَ لَهُمْ
 مُوسَى أَلْقُوا مَا أَنْتُمْ مُلْقُونَ ۚ فَلَمَّا أَلْقَوْا
 قَالَ مُوسَى مَا جِئْتُمْ بِهِ السَّحَرُ ۚ إِنَّ اللَّهَ
 سَيُظِلُّهُ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يُضْلِعُ عَمَلَ الْفَاسِقِينَ ۚ
 وَيُحَقِّقُ اللَّهُ الْحَقَّ بِكَلِمَاتِهِ وَلَوْ كَرِهَ الْجَاحِدُونَ ۚ
 فَمَا آمَنَ لِمُوسَى إِلَّا ذُرِّيَّةٌ مِّنْ قَوْمِهِ عَلَى خَوْفٍ
 مِّنْ فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِمْ أَن يَفْتِنَهُمْ ۚ وَإِنَّ فِرْعَوْنَ
 لَعَالٍ فِي الْأَرْضِ ۚ وَإِنَّهُ لَمِنَ الْمُسْرِفِينَ ۚ وَقَالَ
 مُوسَى لِقَوْمِهِ إِنَّ كُنْتُمْ آمَنْتُمْ بِاللَّهِ فَعَلَيْهِ تَوَكَّلُوا
 إِن كُنْتُمْ مُّسْلِمِينَ ۚ فَمَا لَوْ عَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْنَا ۚ
 رَبَّنَا لَا تَجْعَلْنَا فِتْنَةً لِّلْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ۚ وَنَجِّنَا
 بِرَحْمَتِكَ مِنَ الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ۚ وَأَوْحَيْنَا
 إِلَىٰ مُوسَى وَأَخِيهِ أَنْ تَبَوَّآ لِقَوْمِكُمَا بِمِصْرَ

يُوسَى

مِصْرَ

303

બિ-ફુલ્લિ સાહિરિન અલીમ ○ ફ-લમ્મા
 હર જાદૂગર ઈલ્મ વાલેકો મેરે પાસ લે આઓ. ફિર જબ

જા-અસ સ-હ-રતુ કાલા લહુમ મૂસો
 જાદૂગર આએ ઉનસે મૂસા ને કહા

અલ્ફૂ મો અન્તુમ મુલ્ફૂન ○ ફ-લમ્મો
 ડાલો જો તુમહે ડાલના હે. ફિર જબ

અલ્ફૂ ફાલા મૂસા મા જિર-તુમ બિહિસ ૪
 ઉન્હોને ડાલા મૂસા ને કહા યે જો તુમ લાએ હો

સિહર ૫ ઇન્નલ્લાહા સ-યુઝ્લિલુહ ૫
 યે જાદૂ હે, અબ અલ્લાહ ઈસે બાતિલ કર દેગા,

ઇન્નલ્લાહા લા યુઝ્લિલુહ અ-મલલ
 અલ્લાહ મુફ્સિદો કા કામ નહીં બનાતા.

મુફ્સિદીન ○ વ યુઢિફ્ફુલ્લાહુલ હફ્ફા બિ-ફલિમાતિહી વ લવ્ ફરિહલ
 ઔર અલ્લાહ અપની બાતોં સે હક કો હક કર દિખાતા હે પળે ખુરા માને

મુજિરમૂન ○ ફમો આ-મના લિ-મૂસો ઇલ્લા મુર્રિયતુમ મિન ફવ્મિહી
 મુજરિમ. તો મૂસા પર ઈમાન ન લાએ મગર ઉસકી કૌમ કે ઔલાદ સે કુછ લોગ

અલા ખવ્ફિમ મિન ફિરઅવ્ના વ મ-લઇહિમ અન્થ યફ્તિ-નહુમ ૫ વ ઇન્ના
 ફિરઔન ઔર ઉસકે દરબારિયોં સે ડરતે હુએ કે કહીં ઉન્હે ઉટને પર મજબૂર ન કર દે, ઔર બેશક

ફિરઅવ્ના લ-આલિન ફિલ અર્દ ૮ વ ઇન્નહૂ લ-મિનલ મુસ્રિફીન ○
 ફિરઔન ઝમીન પર સર ઉઠાને વાલા થા, ઔર બેશક વો હદ સે ગુઝર ગયા.

વ ફાલા મૂસા યા ફવ્મિ ઇન ફુન્તુમ આમન્તુમ બિલ્લાહિ ફ-અલય્હિ
 ઔર મૂસા ને કહા અય મેરી કૌમ અગર તુમ અલ્લાહ પર ઈમાન લાએ તો ઉસીપર

તવક-ફલૂ ઇન ફુન્તુમ મુસ્લિમીન ○ ફ-ફાલૂ અલલ્લાહિ તવક-ફલ્ના ૮
 ભરોસા કરો અગર તુમ ઈસલામ રખતે હો. બોલે હમને અલ્લાહ હી પર ભરોસા કિયા

રઘ્ઘના લા તજઅલ્ના ફિત્નતલ લિલ ફવ્મિઝ્ઝ ગ્ઝાલિમીન ૫
 ઈલાહી હમકો ઝાલિમ લોગોં કે લિએ આઝમાઈશ ન બના.

વ નજિજના બિ-રહ-મતિકા મિનલ ફવ્મિલ કાફિરીન ○ વ અવ્-હય્નો
 ઔર અપની રહમત ફરમાકર હમેં કાફિરોં સે નજાત દે. ઔર હમને

ઇલા મૂસા વ અખીહિ અન તબવ્વઆ લિ-ફવ્મિકુમા બિ-મિસ્રા
 મૂસા ઔર ઉસકે ભાઈ કો વહી ભેજ કે મિસર મેં અપની કૌમ કે લિએ મકાનાત બનાઓ

بُيُوتًا وَاجْعَلُوا بُيُوتَكُمْ قِبْلَةً وَأَقِيمُوا
 الصَّلَاةَ وَبَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَقَالَ مُوسَى رَبَّنَا
 إِنَّكَ آتَيْتَ فِرْعَوْنَ وَمَلَئَهُ زِينَةً وَأَمْوَالًا فِي
 الْحَيَاةِ الدُّنْيَا رَبَّنَا لِيُضِلُّوا عَنْ سَبِيلِكَ
 رَبَّنَا اطْمِسْ عَلَى أَمْوَالِهِمْ وَاشْدُدْ عَلَى
 قُلُوبِهِمْ فَلَا يُؤْمِنُوا حَتَّى يَرَوُا الْعَذَابَ الْأَلِيمَ ۝
 قَالَ قَدْ أُجِيبَتْ دَعْوَتُكُمْ فَأَسْتَقِيمَا وَلَا
 تَتَّبِعِنَّ سَبِيلَ الَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۝ وَجُوزْنَا
 بِبَنِي إِسْرَءِيلَ الْبَحْرَ فَأَتْبَعَهُمْ فِرْعَوْنُ
 وَجُنُودُهُ بَغْيًا وَعَدُوًّا حَتَّى إِذَا أَدْرَكَهُ الْغَرَقُ
 قَالَ آمَنْتُ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا الَّذِي آمَنْتُ بِهِ
 بَنُوا إِسْرَءِيلَ وَأَنَا مِنَ الْمُسْلِمِينَ ۝ آتَيْنَا
 وَقَدْ عَصَيْتَ قَبْلُ وَكُنْتَ مِنَ الْمُفْسِدِينَ ۝

قَالُوا نَحْنُ

مُتَّبِعُونَ

304

बुयूतं व वजअलू बुयू-तकुम

और अपने घरों को नमाज की जगह करो

फिजलतं व अझीमुस सलाह ७

और नमाज का रज्जो,

व अशिशिल मु-मिनीन ०

और मुसलमानों को शुशभबरी सुनाओ

व झाला मूसा रज्जनों धन्नक।

और मूसा ने अर्ज की अय रज उमारे तूने

आतयता फिरअपना व म-ल-अहू

फिरऔन और उसके सरदारों को

मी-नतं व अम्वालन झिल

आराधश

और

माल

हयातिह दुन्या १ रज्जना लि-युदिल्लू अन सजीलिक ८

दुनियाकी जिन्दगीमें दिअे

अय रज उमारे इसलिये

के तेरी राह से भेडका दें

रज्जनदिमस अलौ अम्वालिहिम वशदुह अला कुलुभिहिम

अय रज उमारे उनके माल भरबाद करदे और उनके दिल सप्त करदे

झला यु-मिनु हत्ता य-रपुल अज़ाजल अलीम ० झाला फ़द

के ईमान न लाअें जबतक

हर्दनाक अज़ाजल न देभ लें.

इरमाया

उज्जुमद हर-पतुकुमा इस्तझीमा पला तत्तभिअान्नि सजीलल

तुम दोनोंकी हुआ कुबूल हुई तो साबित कदम रखो और

नादानोंकी राह न यलो.

लज़ीना ला यर-लमून ० व जवम्ना जि-जनों घस्राईलल जहरा

और हम जनी इसराईल को हरिया पार ले गअे

इ-अत्त-अहुम फिरअपनु व जुनूदुह जयं व अह्वा ७ हत्तो

तो फिरऔन और उसके लश्करों ने उनका पीछा किया सरकशी और जुल्म से, यहाँ तक के

धज़ा अह-र-कहुल ग-रकु १ झाला आमन्तु अन्नहू लौ घलाहा घल्लल

जब उसे डूबने ने आ लिया बोला मैं ईमान लाया के कोई सय्या मा'बूद नहीं सिवा

लज़ी आ-मनत जिही जनु घस्राईला व अना मिनल मुस्लिमीन ०

उसके जिसपर जनी इसराईल ईमान लाअे और मैं

मुसलमान हूँ.

आल्-आना व फ़द अ-सयता फ़लु व कुन्ता मिनल मुहसिदीन ०

कया अब और पेडले से नाइरमान रहा और तू

इसादी था.

فَالْيَوْمَ نُنَجِّيكَ بِبَدَنِكَ لِتَكُونَ لِمَنْ خَلَقَكَ
آيَةً ۚ وَإِنَّ كَثِيرًا مِّنَ النَّاسِ عَنْ آيَاتِنَا
لَغَافِلُونَ ۚ وَلَقَدْ بَوَّأْنَا بَنِي إِسْرَءِيلَ مَبَوتًا
صَّدِيقٍ ۖ وَرَزَقْنَهُم مِّنَ الطَّيِّبَاتِ ۖ فَمَا اخْتَلَفُوا
حَتَّىٰ جَاءَهُمُ الْعِلْمُ ۚ إِنَّ رَبَّكَ يَقْضِي بَيْنَهُمْ
يَوْمَ الْقِيَمَةِ ۖ فِيمَا كَانُوا فِيهِ يَخْتَلِفُونَ ۚ فَإِن
كُنْتَ فِي شَكٍّ مِّمَّا أَنزَلْنَا إِلَيْكَ فَسْأَلِ الَّذِينَ
يَشْرَعُونَ الْكِتَابَ مِنْ قَبْلِكَ ۖ لَقَدْ جَاءَكَ
الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ ۚ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِينَ ۚ
وَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الَّذِينَ كَذَبُوا بِآيَاتِ اللَّهِ
فَتَكُونُونَ مِنَ الْخَاسِرِينَ ۚ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا
عَلَيْهِمْ كَلِمَتُ رَبِّكَ لَا يُؤْمِنُونَ ۚ وَلَوْ جَاءَتْهُمْ
كُلُّ آيَةٍ حَتَّىٰ يَرَوْا الْعَذَابَ الْأَلِيمَ ۚ فُلُوكَ

كَانَتْ قَرِينَةً

مَنْزِلًا

305

इल यप्मा नुनज्जुका लि-ल-दनिका

आज

उम

तेरी लाश को उतरा देंगे

लि-तकूना लि-मन भुल्हका आयह

के तू अपने पिछलों के लिये निशानी डो,

व धन्ना कस्सीरम भिनन नासि

और बेशक लोग

अन आयातिना ल-गाहिलून

उमारी आयतों से गाहिल हें.

व ल-इह बव्वर-ना बनी धस्सराधला

और बेशक उमने बनी धस्सराधल को

मुबव्वया सिहकिंप् व र-मइनाहुम

धज्जत की जगह दी और उन्हे सुथरी रोजी अता की

भिनत तयिभात इ इ-मइत-लइ हत्ता ज-अहुमुल धल्म

तो धप्तेलाइ में न पणे मगर धल्म आने के बाद

धन्ना रब्बका यइदी भय्-नहुम यप्-मल इया-मति इीमा कानू

बेशक तुम्हारा रब क्यामत के दिन उनमें कैसेला कर देगा जिस बातमें

इीहि यप्तलिहून ० इ-धन इुन्ता इी शकिम भिम्मा अन्मल्लो

जगणते थे. और अय सुननेवाले अगर तुझे कुछ शुभा हो इसमें जो उमने तेरी तरफ उतारा

ध-लय्का इरअलिल लमीना यइ-रठिनल किताभा भिन इठिलक

तो उनसे पूछ देण जो तुजसे पेहले किताब पण्डने वाले हें

ल-इह ज-अकल हइकु मिर रठिभका इला तकूनन्ना भिनल मुम्तरीन

बेशक तेरे पास तेरे रब की तरफ से उक आया तो तू उरगिज शक वालोंमें न डो.

पला तकूनन्ना भिनल लमीना कम्-म्बू लि-आयातिल्लाहि

और उरगिज उनमें न डोना जिन्हींने अल्लाहकी आयतें सुटलाई

इ-तकूना भिनल प्रासिरीन ० धन्नल लमीना हइइत अ-लय्हिम

के तू भसारे वालोंमें डो जाओगा. बेशक वो जिनपर

इलि-मतु रठिभका ला युय्-मिनून ० व लप् जअल्हुम कुल्लु

तेरे रब की बात ठीक पण चुकी है धिमान न लाओगे. अगरये सब

आ-यतिन हत्ता य-रवुल अम्माबल अलीम ० इ-लप्ला

निशानियां उनके पास आओं जबतक दईनाक अजाब न देण लें. तो

كَانَتْ قَرْيَةً آمَنَتْ فَأَفْضَحَهَا إِيْمَانُهَا إِلَّا قَوْمُ
يُؤُسَ ۖ لَبَّا أَمْنُوا كَشَفْنَا عَنْهُمْ عَذَابَ الْخِزْيِ
فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَنَسْتَعْتِبُهُم إِلَىٰ حِينٍ ۖ وَلَوْ
شَاءَ رَبِّكَ لَأَمَنَّ مِنَ فِي الْأَرْضِ كُلَّهُمْ جَمِيعًا ۖ
أَفَأَنْتَ تُكْرِهُ النَّاسَ حَتَّىٰ يَكُونُوا مُؤْمِنِينَ ۖ
وَمَا كَانَ لِنَفْسٍ أَنْ تُوْمِنَ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ
وَيَجْعَلُ الرِّجْسَ عَلَى الَّذِينَ لَا يَعْقِلُونَ ۖ
قُلْ أَنْظَرُوا مَاذَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ وَمَا
تُغْنِي الْآيَاتُ وَالتَّذْرُعْنَ قَوْمٍ لَا يُؤْمِنُونَ ۖ
فَهَلْ يَنْتَظِرُونَ إِلَّا مِثْلَ آيَاتِ الَّذِينَ خَلَوْا
مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ قُلْ فَانْتَظِرُوا إِنِّي مَعَكُمْ مِنَ
الْمُنْتَظِرِينَ ۖ ثُمَّ نُنْجِي رُسُلَنَا وَالَّذِينَ آمَنُوا كَذَلِكَ
حَقًّا عَلَيْنَا نُنْجِ الْمُؤْمِنِينَ ۖ قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِن

كُنْتُمْ فِي شَكٍّ

مَنْزِلٌ

306

कानत इर्-यतुन आ-मनत
हुई होती न कोई बस्ती के ईमान लाती
इ-न-इ-अहो ईमानुहो धल्ला इप्मा
तो उसका ईमान काम आता हां

यूनुस ७ लम्हो आ-मनू इ-शइना
यूनुस की कौम, जब ईमान लाये उमने

अन्हुम अज़ाबल जिम्हि झिल हयातिद
उनसे दुसवाई का अज़ाब दुनिया की जिन्दगी में उटा दिया

हुन्या व मत्तर-नाहुम धला हीन ०
और ओकवकत तक उन्हें भरतने दिया.

व लप् शाआ रब्बुका ल-आ-मना
और अगर तुम्हारा रब याहता

मन झिल अरदि कुल्लुहुम जमीआ ७ अ-इ-अन्ता तुकिरहुन
जमीनमें जितने हैं सबके सब ईमान ले आते, तो क्या तुम लोगोंको जबरदस्ती करोगे

नासा हत्ता यकूनू मुर-मिनीन ० वमा काना लि-नइसिन अन
यहां तक के मुसलमान हो जायें. और किसी जान की कुदरत नहीं के

तुर-मिना धल्ला जि-धमनिव्लाह ७ व यजअलुर रिजसा
ईमान ले आये मगर अह्लाउके हुकम से, और अज़ाब

अलल लमीना ला यर-झिलून ० कुलिन्गुरू माज़ा झिस समावाति
उनपर डालना है जिन्हें अकल नहीं. तुम इरमाओ देणो आसमानों

वल अर्द ७ वमा तुगिनल आयातु पन्नुगुरु अन इप्मिल ला
और जमीनमें क्या है, और आयते और रसूल उन्हें कुछ नहीं देते जिनके नसीबमें

युर-मिनून ० इ-हल यन्तमिरूना धल्ला मिरूला अय्यामिल लमीना
ईमान नहीं. तो उन्हें काहे का इन्तेज़ार है मगर उन्हीं लोगों के से दिनों का जो

म-लप् मिन इज़िलहिम ७ कुल इन्तमिरू धन्नी म-अकुम मिनल
उनसे पेहले हो गुज़रे, तुम इरमाओ तो इन्तेज़ार करो मैं भी तुम्हारे साथ

मुन्तमिरीन ० सुम्मा नुनज्जु रुसु-लना वल्लमीना आ-मनू इ-ज़ालिक ८
इन्तेज़ार में हूं. फिर हम अपने रसूलों और ईमान वालों को नज़ात देंगे बात यही है,

हइज़न अ-लयना नुज्जिल मुर-मिनीन ० कुल यो अय्युहन नासु धन
हमारे ज़िम्मे करम पर उक है मुसलमानों को नज़ात देना. तुम इरमाओ अय लोगो ! अगर

كُنْتُمْ فِي شَكٍّ مِّنْ دِينِي فَلَا أَعْبُدُ الَّذِينَ
 تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلَكِنْ أَعْبُدُ اللَّهَ الَّذِي
 يَتَوَفَّكُمُ ۖ وَأُمِرْتُ أَنْ أَكُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ۝
 وَأَنْ أَقِمَّ وَجْهَكَ لِلدِّينِ حَنِيفًا ۖ وَلَا تَكُونَ
 مِنَ الْمُشْرِكِينَ ۝ وَلَا تَدْعُ مِنْ دُونِ اللَّهِ مَا
 لَا يَنْفَعُكَ وَلَا يَضُرُّكَ ۖ فَإِنْ فَعَلْتَ فَإِنَّكَ إِذَا
 مِّنَ الظَّالِمِينَ ۝ وَإِنْ يَمْسَسْكَ اللَّهُ بِضُرٍّ فَلَا
 كَاشِفَ لَهُ إِلَّا هُوَ ۖ وَإِنْ يُرِدْكَ بِخَيْرٍ فَلَا رَادَّ
 لِفَضْلِهِ ۖ يُصِيبُ بِهِ مَن يَشَاءُ مِنْ عِبَادٍ ۖ وَهُوَ
 الْغَفُورُ الرَّحِيمُ ۝ قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ قَدْ جَاءَكُمْ
 الْحَقُّ مِنْ رَبِّكُمْ ۖ فَمَنِ امْتَدَىٰ فَاتَّسَا يَهْتَدِئِ
 لِنَفْسِهِ ۖ وَمَنْ ضَلَّٰ فَاتَّسَا يَضِلَّ عَلَيْهِمَا ۖ وَمَا
 أَنَا عَلَيْكُمْ بِوَكِيلٍ ۝ وَاتَّبِعْ مَا يُوحَىٰ إِلَيْكَ

وَأَصْبَحَ

مُتَذَكِّرًا

۳۱۷

कुन्तुम ही शक्तिम भिन दीनी
 तुम मेरे दीन की तरफ से किसी शुभे में हो
 इलो अर-बुदुल लगीना तर-बुदुल
 तो मैं तो उसे न पूजूंगा जिसे तुम
 भिन दूनिव्लाहि व लाकिन
 अल्लाहके सिवा पूजते हो
 अर-बुदुल्लाहल लगी य-तपह-इकुम है
 उस अल्लाहको पूजता हूँ जो तुम्हारी जान निकालेगा,
 व उमिरतु अन अकून। भिनल
 और मुझे हुकम है के
 मुर-भिनीन ० व अन अकिम वजहका
 ईमान वालोंमें हूँ और ये के अपना मुंह

लिह-दीनि हनीहा ८ वला तकूननना भिनल मुशिरकीन ०

दीन के लिये सीधा रफ सबसे अलग होकर, और उरगित शिर्क वालोंमें न होना।

वला तदु मिन दूनिव्लाहि माला यन्हुइका वला यदुररुह ८

और अल्लाह के सिवा उसकी बन्दगी न कर जो न तेरा भला कर सके न बुरा,

इ-धन इयव्ला इ-धन्नका धम्म भिनगु गालिमीन ० व धंय

किर अगर ऐसा करे तो उस वक्त तू गालिमीसे होगा। और अगर

यम्सरकव्लाहु मि-दुररिन इला काशिहा लहू धव्ला हू ८ व धंय युरिहका

तुझे अल्लाह कोई तकलीफ पहुंचाये तो उसका कोई टालने वाला नहीं उसके सिवा, और अगर तेरा

मि-भयूरिन इला राहदा लि-इदलिह ७ युसीबु मिही मंय यशाहि

भला याहे तो उसके इजल का रद करनेवाला कोई नहीं, उसे पहुंचाता है अपने बन्दोंमें जिसे याहे

मिन धभादिह ७ वहुवल गइरूर रहीम ० कुल यो अय्युहन नासु इह

और वही बप्शने वाला मेहरबान है। तुम इरमाओ अय लोगो

ज-अकुमुल हइकु मिर रज्जिकुम ८ इ-मनिह-तदा इ-धन्नमा यह-तदी

तुम्हारे पास तुम्हारे रब् की तरफ से एक आया, तो जो राह पर आया वो अपने भले को राह पर आया

लि-नइसिह ८ व मन दव्ला इ-धन्नमा यहिल्लु अ-लयहा ८

और जो बेहका वो अपने बुरे को बेहका,

वमो अना अ-लयकुम मि-वकील ० वत्तभिन् मा यूहो ध-लयका

और कुछ मैं कजोणा नहीं। और उसपर यलो जो तुमपर वही होती है

وَأَصْدِرْ حَتَّى يَحْكُمَ اللَّهُ ۖ وَهُوَ خَيْرُ الْحَاكِمِينَ ۝
 (۱۱) سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ رَبَّنَا ۝ (۱۲) بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝
 الرَّسِيبُ أَحْكَمْتُ إِلَهُهُ ثُمَّ فَصَلْتُ مِنْ لَدُنْ
 حَكِيمٍ خَيْرٍ ۝ أَلَا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ ۖ إِنِّي لَكُمْ
 مِنْهُ نَذِيرٌ وَبَشِيرٌ ۝ وَإِنْ اسْتَغْفِرُوا رَبَّكُمْ ثُمَّ
 تُوبُوا إِلَيْهِ يُبْتَغِ عَنْكُمْ مَتَاعًا حَسَنًا إِلَىٰ أَجَلٍ
 مُّسَمًّى وَيُؤْتِ كُلَّ ذِي فَضْلٍ فَضْلَهُ ۖ وَإِنْ
 تَوَلَّوْا فَإِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ كَبِيرٍ ۝
 إِلَى اللَّهِ مَرْجِعُكُمْ ۖ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝
 أَلَا إِنَّهُمْ يَشْتُونَ صُدُورَهُمْ لَيَسْتَخِفُّوهُنَّ ۖ أَلَا
 حِينَ يَسْتَغْشُونَ ثِيَابَهُمْ يَعْلَمُ مَا يُسِرُّونَ
 وَمَا يُعْلِنُونَ ۖ إِنَّهُ عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ۝

وَمَا مِنْ ذَاكَ

مَثَلِ ۳

308

परिभर हत्ता यहुकुमल्लाहु ८
 और सभ करो यहाँ तक के अल्लाह हुकुम इरमाये,
वहुवा भयुरुल हाकिमीन ९
 और वो सभसे बेहतर हुकुम इरमाने वाला है.

सूरतुल हूँ
 मक्की है, इसमें (१२३) आयतें और (१०) रुकूअ हैं
बिस्मिल्ला हिरहमा निरहम ०
 अल्लाह के नामसे शुरू जो बहुत मेहरबान रहमवाला

अलिह-लाम-रा १ **किताबुन**
 ये अक किताब है
उहकिमत आयातुह सुम्मा हुस्सिलत
 जिसकी आयतें हिकमत भरी हैं फिर तहसील

मिल लहुन हकीमिन ખબીર ० **अल्ला तह-बुहू धल्लल्लाह** ७
 की गई हिकमत वाले ખબरदार की तरफ से. के बन्दगी न करो मगर अल्लाह की,

धन्ननी लकुम मिन्ह नज़ीरुं व भशीर ०
 बेशक मैं तुम्हारे लिये उसकी तरफ से डर और ખुशी सुनाने वाला हूँ.

व अनिस्तज़िहू रब्बकुम सुम्मा वूबू ध-लयहि युमत्तिह-कुम
 और ये के अपने रब से मुआफी मांगो फिर उसकी तरफ तौबा करो तुम्हें

मताअन ह-स-नन धलौ अ-जलिम मुसम्मं व युय-ति कुल्ला मी
 बहुत अच्छा भरतना देगा अक ठेहराये वा'दे तक और डर इज़ीलत वाले को

इदलिन इदलह ७ **व धन तपल्लव इ-धन्नी अभाहु अ-लयकुम**
 उसका इजल पहुंचायेगा, और अगर मुंड इरो तो मैं तुमपर बणे दिनके अज़ाब का भौंक करता हूँ.

अज़ाबा यप्मिन कबीर ० **धलल्लाहि मरजिउकुम** ८ **वहुवा अला कुल्लि**
 तुम्हें अल्लाह ही की तरफ इरना है, और वो डर

शय्धन इदीर ० **अलौ धन्नहुम यरूनना सुदू-रहुम लि-यस्तफ़्फ़**
 शय पर कादिर है. सुनो वो अपने सीने ढोहरे करते हैं के अल्लाह से परदा करे

मिन्ह ७ **अला हीना यस्तशूनना सिया-अहुम** ४ **यह-लमु मा**
 सुनो जिस वक्त वो अपने कपणों से सारा बदन ढांप लेते हैं उस वक्त भी अल्लाह

युसिरूनना वमा युय-लिनून ८ **धन्नहू अलीमुम बि-ज़ातिस सुदूर** ०
 उनका धुपा और आदिर सभ कुछ जानता है, बेशक वो दिलोंकी बात जानने वाला है.